RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 आमिर खान की बेटी आयरा...

वर्ष : 26 | अंक : 349 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 10 दिसंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

राज्यसभा में सोरोस, लोकसभा में अडाणी पर शोर

शीतकालीन सत्र : संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ दिया अविश्वास का नोटिस

देश के दुश्मनों के साथ है कांग्रेस : नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र में संसद के दोनों सदनों में गतिरोध चल रहा है. विपक्ष अडानी और संभल के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा है तो वहीं सत्ता पक्ष जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर चर्चा चाह रहा है। राज्यसभा में गतिरोध दूर करने की कोशिश में सभापति ने फ्लोर लीडर्स के साथ बैठक की। जिसका कोई नतीजा नहीं निकला और राज्यसभा में फिर सोरोस के मुददे पर हंगामा हुआ। जिसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

संसद में अडानी और संभल हिंसा को लेकर गतिरोध चल ही रहा था कि अब सत्ता पक्ष ने जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर विपक्ष, खासकर कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर हंगामे के कारण 9 दिसंबर को संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही नहीं चल सकी थी।

मंगलवार संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू हुई तो सोरोस, अडाणी और संभल के मुददे पर दोनों सदनों में शोर होने लगा। राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया है. राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने ओसीसीआरपी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह संस्था दुनिया के देशों को अस्थिर करने में लगी रहती है। इस संस्था ने जो मुद्दे उठाए, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने उसे यहां उठाकर यह साबित किया है कि वे इसका टूल बन रहे हैं. उन्होंने फोरम फॉर डेमोक्रेटिक लीडर्स ऑफ एशिया पैसिफिक की को-चेयरमैन इसी सदन की एक सदस्या हैं। कांग्रेस की नेता का इस संस्था से जुड़ा होना जो जम्मू कश्मीर को अलग स्टेट के रूप में देखता है, उससे जुड़ा होना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है। कांग्रेस और जॉर्ज सोरोस का क्या रिश्ता है। गांव-गरीब हमसे पूछ रहा है कि हम देश की सुरक्षा के लिए खड़े हैं कि नहीं हैं। हम लोगों को विश्वास दिलाते हैं कि हम खड़े हैं. 11वें से देश पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बना है और हम तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

'बैग पर लिखा मोदी-अडाणी भाई-भाई'

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र में गौतम अडानी को लेकर विपक्ष का हंगामा थमता नहीं दिख रहा है। इसी बीच, मंगलवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी 'मोदी अडानी भाई-भाई' लिखा बैग लेकर संसद पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि सदन की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। हम डिबेट में भाग नहीं ले पा रहे हैं। प्रियंका गांधी के इस बैग को दिखाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि ये काफी क्यूट है। बैग में एक तरफ मोदी तो दूसरी ओर अडानी की तस्वीर है। लिखा है- मोदी अडानी भाई भाई...वहीं, (शेष पृष्ठ-4 पर)

विपक्ष का प्रदर्शन अशोभनीय : बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को संसद परिसर में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के विरोध प्रदर्शन के तौर-तरीकों को अशोभनीय बताया। उन्होंने प्रतिपक्ष के बड़े नेताओं के आचरण को संसदीय परंपराओं को प्रतिकूल करार दिया। उन्होंने कहा कि सभी को संसद की गरिमा, मर्यादा और प्रतिष्ठा को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर इसका जिक्र किया। इस दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने अपने मुद्दे उठाने का प्रयास करते हुए हंगामा किया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही पांच मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

ग्रेटर नोएडा में थार गाड़ी में मिला दिल्ली के छात्र का शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के शारदा पुश्ते के पास थार गाड़ी में एक छात्र का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। परिजनों का आरोप है कि छात्र की हत्या की गई है। वहीं नोएडा पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मृतक छात्रा के परिजनों द्वारा दिल्ली में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी।

ग्रेटर नोएडा के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के शारदा पुश्ते के पास एक छात्र थार गाड़ी में अचेत अवस्था में मिलने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और अचेत व्यवस्था में मिले छात्र को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक छात्र की पहचान हर्ष शर्मा निवासी दिल्ली (शेष पृष्ठ-4 पर)

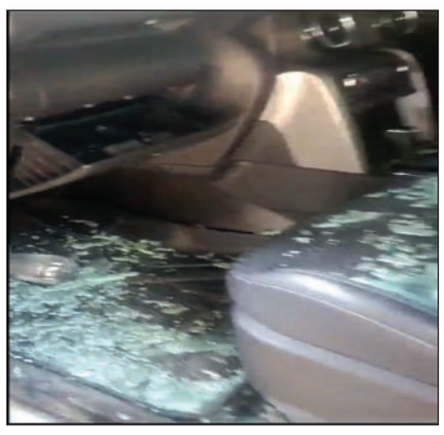

संगठनात्मक चुनावों को लेकर कल पर्यवेक्षक सुरेश खन्ना लेंगे बैठक

- नोएडा महानगर व जिले के पदाधिकारी, चुनाव अधिकारी, सांसद व विधायक रहेंगे मौजूद

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ने नोएडा महानगर तथा जिले में सांगठनिक चुनावों की कवायद चरम पर है। इसी कड़ी में कल बुधवार को चुनावी पर्यवेक्षक तथा उप्र के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना नोएडा तथा जिले की कमेटी के साथ बैठक करेंगे। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने दी है।

भाजपा अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि सेक्टर-116 स्थित नोएडा महानगर भाजपा कार्यालय में कल करीब 12.30 बजे पर्यवेक्षक सुरेश खन्ना नोएडा तथा जिले के पदाधिकारियों (शेष पृष्ठ-4 पर)

टॉफी के बहाने बच्ची को जंगल ले जाने वाला बदमाश मुठभेड़ में घायल

नोएडा (चेतना मंच)। एक मासूम बच्ची की जिंदगी बर्बाद होने से बच गई। बच्ची को टॉफी देने के बहाने गलत नीयत से जंगल की तरफ ले जा रहे बदमाश को पुलिस ने घेरा तो बदमाश पुलिस पर फायरिंग कर भागने लगा। थाना सेक्टर-39 पुलिस और बदमाश के बीच हुईमुठभेड़ में बदमाश घायल हो गया जिसे गिरफ्तार कर पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

'जेल में बंद किसानों को बिना शर्त किया जाए रिहा'

15 सदस्य प्रतिनिधि मंडल ने प्रमुख सचिव औद्योगिक के साथ की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। जेल में बंद किसानों की बिना शर्त रिहायी को लेकर सोमवार को प्रमुख सचिव औद्योगिक अनिल सागर के साथ किसानों के 15 सदस्य एक प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक हुई। इस बैठक में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण के एसीईओ और एशिनल कमिश्नर शिव हरी मीणा मौजूद रहे।

इससे पहले डीएम गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के साथ भी संयुक्त किसान मोर्चा के सभी 15 घटक दलों की मीटिंग हुई। दोनों मीटिंग में संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन में जेल में बंद नेताओं और किसानों को जेल से बिना शर्त रिहाई की बात प्राथमिकता से रखी। और किसान नेताओं के घर के सदस्यों और महिलाओं को थाने में बिठाने और प्रताड़ित करने की कवायद तुरंत प्रभाव रोके जाने की बात की। संयुक्त किसान मोर्चे के प्रतिनिधि मंडल ने स्पष्ट किया कि वार्ता और संवाद से ही समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

नूरी जामा मस्जिद का अवैध निर्माण तोड़ा

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में नाला निर्माण में अतिक्रमण की जद में आए लललौली कस्बा के सदर बाजार स्थित नूरी जामा मस्जिद के पीछे के हिस्सा एडीएम अविनाश त्रिपाठी व एएसपी विजयशंकर मिश्र की मौजूदगी में मंगलवार सुबह तोड़ दिया गया। इस बीच पीएसी समेत भारी पुलिस बल मुस्तैद रहा। लललौली कस्बा के सदर बाजार स्थित नूरी जामा मस्जिद अतिक्रमण की जद में आने पर मस्जिद कमेटी को पीडब्ल्यूडी विभाग ने नाला निर्माण के लिए सर्वे के दौरान बीते 24 सितंबर 2024 को नोटिस दी थी। जिस पर मस्जिद कमेटी ने अतिक्रमण हटाने के (शेष पृष्ठ-4 पर)

यूपी की क्रिकेट टीम में खेलेगी नोएडा की बेटी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा की बेटी मीनू यादव ने क्षेत्र व परिवार का नाम रोशन किया है। मीनू का चयन उत्तर प्रदेश की महिला सीनियर क्रिकेट टीम के लिए हुआ है।

सेक्टर-122 स्थित पर्थला गांव निवासी सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष सूबे यादव की बेटी मीनू यादव का उत्तर प्रदेश की सीनियर महिला क्रिकेट टीम में चयन हो गया है। वह उत्तरप्रदेश महिला क्रिकेट टीम की तरफ से एक दिवसीय मैच खेलेंगी।

मीनू यादव के उत्तर प्रदेश सीनियर महिला क्रिकेट टीम में चयन होने से उनके गांव पर्थला सहित पूरे नोएडा क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। चयन के बाद लोग लगातार बधाई दे रहे हैं। मीनू यादव ने नोएडा का मान बढ़ाने का काम किया है। दिल्ली में चल रहे मैच में मीनू यादव उत्तरप्रदेश की तरफ से खेल रही हैं।

आपको बता दें कि लखनऊ में एक कैंप आयोजित हुआ था जिसमें महिला खिलाड़ियों का ट्रायल लिया गया था। ट्रायल के बाद खिलाडियों का सीनियर टीम में चयन किया गया। इससे पहले भी मीनू यादव अंडर 19 क्रिकेट टीम में उत्तरप्रदेश के लिए रणजी और टी-20 मैच खेल चुकी हैं।

सेक्टर-85 में औद्योगिक भूखंड का आवंटन निरस्त

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-85 में एक औद्योगिक भूखंड का आवंटन निरस्त कर दिया है। इस भूखंड पर औद्योगिक की बजाए कमर्शियल एक्टिविटी की जा रही थी।

प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि आंवटी को कई बार नोटिस जारी कर अवगत कराया गया कि आप कामर्शियल एक्टिविटी को बंद कर दे।

आवंटी की ओर से न तो कमर्शियल एक्टिविटी को बंद किया गया और न ही प्राधिकरण को कोई सकारात्मक जवाब दिया। ऐसे में आवंटन निरस्त कर दिया गया।

प्राधिकरण द्वारा औद्योगिक परियोजना ऑटोमोबाइल रिपेयरिंग एवं सर्विस के लिए सेक्टर-85 स्थित औद्योगिक भूखण्ड संख्या सी-12/02 आवंटित किया गया था। इस पर बिना प्राधिकरण की अनुमति और बिना लैंड यूज बदलाव किए आटो मोबाइल शोरूम का संचालन किया जा रहा था। निरंतर नोटिस देने और मौके पर चस्पा कराने के बाद भी वाणिज्यिक गतिविधि का संचालन बंद नहीं किया गया। ऐसे में भूखंड का आवंटन निरस्त कर दिया गया।

23 वर्ष बाद पूरा हुआ सपना, हम सभी गौरान्वित : डा. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। 23 वर्ष पूर्व देखा सपना आज पूरा हुआ यह क्षण हमारे तथा क्षेत्रवासियों के लिए सुख व गौरव का है। इतिहास में 9 दिसंबर 2024 का दिन दर्ज हो गया। यह कहना था सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा का।

डा. महेश शर्मा ने कहा कि इस सपने को पूरा करने के लिए किया गया है एक लंबा संघर्ष। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से भाजपा के शासनकाल में ही देखे गये सपने को हमनें भाजपा के शासनकाल में ही पूरा किया। 9 दिसंबर 2024 को गौतमबुद्धनगर जिले की धरती पर पहली बार हवाई जहाज आखिरकार उतर ही गया। जिसके साथ ही जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम सुनहरे इतिहास में दर्ज हो गया। इस एयरपोर्ट के निर्माण के लिए मैंने उड्डयन मंत्री रहते हुए अनेक औपचारिकताएं पूरी की।

2001 में यूपी के तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेशनल एयरपोर्ट एंड एविएशन हब का प्रस्ताव पारित किया था। लेकिन उसके बाद पूर्व की सपा व बसपा की सरकारों ने लंबे समय तक इस प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में रखा।

2014 में भाजपा सत्ता में आई तो एयरपोर्ट प्रोजेक्ट पर दोबारा तेजी से काम शुरू किया गया, मेरे उड्डयन मंत्री रहते हुऐ इस प्रोजेक्ट को वापस जेवर में लाया गया।

2017 में हवाई अड्डे के लिए निर्माण साइट की अनुमति मिली साथ ही गृह मंत्रालय द्वारा इमीग्रेशन एनओसी दी गई।

2018 में नागर विमानन मंत्रालय द्वारा सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान ग्रेटर नोएडा के उदघाटन समारोह में एयरपोर्ट के शिलान्यास की घोषणा की।

2019 में ही एयरपोर्ट की प्रस्तावित साइट पर जमीन पर कब्जा लेना शुरू किया।

2020 मे ज्यूरिख कंपनी के साथ नियाल ने करार किया।

25 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेवर में (शेष पृष्ठ-4 पर)

किसानों के समर्थन में उतरे जिले के वकील

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुधनगर में संयुक्त किसान मोर्चे के नेतृत्व में किसानों की मांगों को लेकर किए गए प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए किसानों की रिहाई की मांग को लेकर जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन किसानों के समर्थन में उतर आई है। वकीलों ने कहा है कि गिरफ्तार किए गए सभी किसानों को आज शाम तक रिहा नहीं किया गया तो वकील आगे बड़ा फैसला लेंगे। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश भाटी देवटा की अध्यक्षता में वकीलों की बैठक हुई। जिसका संचालन बार एसोसिएशन के सचिव धीरेंद्र भाटी ने किया। इस बैठक में नोएडा-ग्रेटर नोएडा तथा (शेष पृष्ठ-4 पर)

संसद में नोट

संसद में यह क्या हो रहा है? हमें 2008 का वह दौर याद आता है, जब भारत-अमरीका परमाणु करार के कारण वामदलों ने यूपीए सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार अल्पमत में आ गई थी, लिहाजा नए सिरे से विश्वास-मत हासिल करना था। तभी एक दिन लंच के बाद लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई थी कि भाजपा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने एक बैग खोला और नोटों की गड्डियां बिखेर दीं। सदन एकदम स्तब्ध हो गया। हम प्रेस-दीर्घा में बैठे हैरान हो गए, क्योंकि उससे पहले कभी भी ऐसी घटना नहीं देखी थी। भाजपा के तीन सांसदों ने आरोप लगाए थे कि सरकार के पक्ष में वोट देने के लिए उन्हें एक करोड़ रुपए की घूस दी गई है। किसने वह घूस दी? उस खेल का रणनीतिकार कौन था? घूस की बात किसने की और नकदी किसने दिया? बेशक ऐसे सवाल आज प्रासंगिक नहीं हैं, लेकिन तब सपा नेता अमर सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल सहित कुछ नाम उछले थे। बहरहाल सपा के तत्कालीन 39 सांसदों और अन्य छोटे दलों के सांसदों के समर्थन से मनमोहन सरकार ने विश्वास मत तो हासिल कर लिया था, लेकिन कथित नकदी घूसकांड के सूत्रधारों का क्या हुआ, उन्हें अदालत ने क्या दंड दिया, वह आज तक स्पष्ट नहीं है। मुख्य आरोपित सांसद दिवंगत हो चुके हैं। आज संसद में उस कांड की न तो किसी को चिंता है और न ही वह प्रासंगिक है। वह संदर्भ दोबारा ताजा होकर सामने है, क्योंकि राज्यसभा में सीट 222 पर 500 रुपए के नोट की गड्डी मिली है। यह सीट कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है। उन्होंने साफ किया है कि इस गड्डी का उनसे कोई लेना-देना नहीं है। वह तो सिर्फ 500 रुपए का एक नोट जेब में रखकर सदन आते हैं और उस दिन वह मात्र तीन मिनट के लिए ही संसद में आए थे। चूंकि नोटों की यह गड्डी सुरक्षा कर्मियों की नियमित, रोजाना जांच के दौरान मिली थी, लिहाजा सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सदन को खुलासा किया। यह जानकारी देने को वह बाध्य भी थे। नोट असली थे या नकली थे अथवा उन पर कोई रसायन लगाया गया था, ये स्पष्टीकरण संपूर्ण जांच के बाद ही सार्वजनिक हो सकते हैं। अलबत्ता उचित, नियमानुसार जांच के आदेश दिए जा चुके हैं। सवाल यह है कि वे 50,000 रुपए सदन के भीतर कहां से आए? संसद परिसर में बैंक शाखा भी है और सांसद, संसदकर्मी वहां जाकर लेन-देन करते रहे हैं। सांसद कितनी नकद राशि लेकर सदन के भीतर जा सकते हैं, इस पर कोई तय नियम-कानून नहीं है। कोई भी सांसद कितनी भी करेंसी अपने साथ लेकर सदन में प्रवेश कर सकता है। बहरहाल 500 रुपए वाले प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच हो रही है। सदन में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को निकाला जा रहा है। उनसे यह स्पष्ट हो सकेगा कि नोटों की गड्डी राज्यसभा में किस तरह आई? इस मुद्दे पर सदन के भीतर सियासी उबाल की स्थिति है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि शिवजी के वचन सुनकर रति चली गई। अब दूसरी कथा बखानकर (विस्तार से) कहता हूँ। ब्रह्मादि देवताओं ने ये सब समाचार सुने तो वे वैकुण्ठ को चले॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सब सुर बिष्नु बिरंचि समेता। गए जहाँ सिव कृपानिकेता॥
पृथक-पृथक तिन्ह कीन्हि प्रसंसा। भए प्रसन्न चंद्र अवतंसा॥

फिर वहाँ से विष्णु और ब्रह्मा सहित सब देवता वहाँ गए, जहाँ कृपा के धाम शिवजी थे। उन सबने शिवजी की अलग-अलग स्तुति की, तब शशिभूषण शिवजी प्रसन्न हो गए॥

बोले कृपासिंधु बृषकेतू। कहहु अमर आए केहि हेतू॥
कह बिधि तुम्ह प्रभु अंतरजामी। तदपि भगति बस बिनवउँ स्वामी॥

कृपा के समुद्र शिवजी बोले- हे देवताओं! कहिए, आप किसलिए आए हैं? ब्रह्माजी ने कहा- हे प्रभो! आप अन्तर्यामी हैं, तथापि हे स्वामी! भक्तिवश मैं आपसे विनती करता हूँ॥

दो0- सकल सुरन्ह के हृदयँ अस संकर परम उछाहु।
निज नयनन्हि देखा चहहिं नाथ तुम्हार बिबाहु॥

हे शंकर! सब देवताओं के मन में ऐसा परम उत्साह है कि हे नाथ! वे अपनी आँखों से आपका विवाह देखना चाहते हैं॥ (क्रमशः...)

राहुल गांधी लड़ते क्यों नहीं हैं ?

2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों द्वारा बनाया गया इंडिया गठबंधन अब बिखरता हुआ नजर आने लगा है। लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी की पार्टी भाजपा का रथ 240 पर रोकने से उत्साहित विपक्षी दल के नेता ही नहीं बल्कि उनके नेता और कार्यकर्ताओं तक को लगने लगा था कि यह सरकार अब पहले की तरह अड़ कर काम नहीं पाएगी।

लेकिन हर गुजरते महीने के साथ ही विपक्षी नेताओं का यह भ्रम टूटता हुआ सा नजर आने लगा है। लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत दिलाकर राहुल गांधी ने अपने नेतृत्व को जिस अंदाज में स्थापित करने की शुरुआत की थी, वह विश्वास भी अब दरकता हुआ नजर आ रहा है। राहुल गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व को अप्रत्यक्ष तरीके से स्वीकार कर लेने वाले अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के विचार भी अब बदलते हुए नजर आने लगे हैं।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर जो स्वीकार्यता बढ़ती हुई नजर आने लगी थी, उसे हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों ने पूरी तरह से चकनाचूर कर दिया है।

झारखंड में विपक्षी इंडिया गठबंधन को फिर से सरकार बनाने में कामयाबी तो मिल गई है लेकिन इसका पूरा श्रेय जेएमएम नेता और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जा रहा है। लेकिन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी गठबंधन को मिली हार का ठीकरा एक तरह से राहुल गांधी पर ही फोड़ा जा रहा है जबकि इस गठबंधन में महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता माने जाने वाले शरद पवार और बालासाहेब ठाकरे की विरासत पर दावा करने वाले उद्धव ठाकरे भी शामिल हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के सहयोगी जो बातें दबी जुबान में कह रहे थे, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद वही बातें खुल कर कहने लगे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने खुल कर इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की अपनी इच्छा जाहिर कर दी है। इससे पहले उन्ही की पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए यह कह चुके हैं कि कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है, कांग्रेस ने अपने परफॉर्मेंस से इंडिया गठबंधन को निराश कर दिया है। कल्याण बनर्जी तो यहां तक बोल गए कि कांग्रेस को अपना अहंकार त्याग कर ममता बनर्जी को अपना नेता मान लेना चाहिए। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी कई बार इशारों-इशारों में और कई बार खुलकर कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठा चुके हैं। उनके चाचा रामगोपाल यादव ने तो राहुल गांधी पर खुलकर हमला बोलते हुए यहां तक कह दिया कि वे इंडिया गठबंधन के नेता नहीं हैं। उद्धव ठाकरे, पहले से ही राहुल गांधी से नाराज हैं कि अपने वादे के मुताबिक कांग्रेस नेता ने विधानसभा चुनाव के समय उन्हें महाविकास अघाड़ी की तरफ से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया।

यह बात कुछ हद तक सही भी है। राहुल गांधी चाहकर भी अपने करीबी युवा नेता सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। सर्वे रिपोर्ट के बावजूद राजस्थान विधानसभा चुनाव के समय अशोक गहलोत के करीबियों का टिकट नहीं काट पाए।

दरअसल, इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों के नेताओं को अब अपने अस्तित्व का डर सताने लगा है। उनके मन में यह बात बैठती जा रही है कि राहुल गांधी लड़ नहीं पाते हैं। राहुल गांधी न तो पीएम नरेंद्र मोदी से लड़ पा रहे हैं और ना ही साये की तरह अपने साथ चलने वाले उन कांग्रेस नेताओं से लड़ पा रहे हैं जो उन्हें अनाप-शनाप सलाह देते रहते हैं।

यह बात कुछ हद तक सही भी है। राहुल गांधी चाहकर भी अपने करीबी युवा नेता सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। सर्वे रिपोर्ट के बावजूद राजस्थान विधानसभा चुनाव के समय अशोक गहलोत के करीबियों का टिकट नहीं काट पाए। वादा करने के बावजूद छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल को हटाकर टीएस सिंहदेव को मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। मध्य प्रदेश में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी से अपने सबसे करीबी नेता रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को बचा नहीं पाए। राहुल गांधी अशोक गहलोत से लेकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा तक किसी भी क्षेत्रीय क्षत्रप से अपनी बात मनवा नहीं पाते हैं। जिस तरह से अड़ कर उन्होंने गांधी परिवार से अलग हटकर मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवाया, उस तरह की जिद वह पार्टी के अन्य मामलों में कर नहीं पाते हैं। नतीजा यह है कि देश के कई राज्यों में आज सांगठनिक दृष्टि से कांग्रेस एक तरह से खत्म सी नजर आ रही है। उन्होंने जिन केसी वेणुगोपाल को राष्ट्रीय संगठन महासचिव बनाकर, संगठन बनाने की जिम्मेदारी दी है, वह जनाब संगठन बनाने से ज्यादा तवज्जों राहुल गांधी के साथ हमेशा घुमने को देते नजर आते हैं। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि क्या राहुल गांधी इन बातों को समझ नहीं पा रहे हैं और अगर समझ रहे हैं तो फिर लड़ क्यों नहीं पा रहे हैं ?

- संतोष पाठक
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

खाओ और खाने दो (व्यंग्य)

जिंदगी की एक फिलॉसफी है—जियो और जीने दो। जीने के लिए खाना ज़रूरी है, तो कहना चाहिए, 'खाओ और खाने दो।' तभी तो हम जी पाएंगे और दूसरों को भी जीने देंगे। लेकिन जब बात आती है इस फिलॉसफी के उलट—'ना खाऊँगा, ना खाने दूँगा' जैसे नारों की, तब लोकतंत्र की नींद हराम हो जाती है। भला बिना खाए काम कैसे चलेगा, और जिंदा कैसे रहेंगे?

हमारे एक दोस्त हैं, जो बस खाने के लिए ही जीते हैं। कॉलेज के समय की बात है। मेस में लंच टाइम उनके बैठने के बाद ही शुरू होता। खाना शुरू करते तो यह सुनिश्चित करते कि आख़िरी टाइम तक सभी को खिलाकर ही खुद खाना खत्म करें।

खुद का खाना खत्म करने के बाद, वे दूसरों की प्लेट को ऐसे घूरते, मानो उसमें छुपा कोई खज़ाना खोज रहे हों। आखिरकार, कोई न कोई अपनी प्लेट उठाकर उसमें चावल और बची-खुची दाल डाल देता। इस 'दान% को लेकर वे सीधे रूम की ओर प्रस्थान करते, जहां आराम से खाते। ऐसा लगता, जैसे दिन का आधा समय वे इस महायज्ञ में लगा देते थे।

मेस वर्कर्स ने एक बार तो हड़ताल ही कर दी। उनका कहना था, 'जब तक इन्हें मेस में एंट्री दी जाएगी, खाना नहीं बनेगा।' आखिरकार, उन्होंने मेस में आना बंद कर दिया और प्लेट रूम पर ही मंगाने लगे।

बाकी बचा समय वे शाम के खाने की चिंता में बिताते। 'शाम को क्या बनेगा?' 'कहीं मेस बंद तो नहीं हो जाएगी?' अगर ऐसा लगता कि मेस बंद हो सकती है, तो तुरंत किसी शादी या पार्टी में 'अनाधिकृत प्रवेश' का जुगाड़ लगाने में जुट जाते। ये 'खाद्य-समाज' के सुपरहीरो थे, जिनका एक ही मकसद था—खाने के सभी अवसरों को भुनाना।

आदमी को भगवान ने बनाया ही खाने के लिए है। जानवर तो बस पेट भरने के लिए खाते हैं, लेकिन आदमी का असली 'भोजन' तो पेट भरने के बाद शुरू होता है। जानवर जहाँ अपने खाने के प्रति बड़े संवेदनशील और स्पष्ट होते हैं—अब गधे को घास के बजाय चिकन परोसोगे तो क्या वह खाएगा? शेर को मांस की जगह घास खिलाने लगे तो वह खिलाने वाले से ही अपनी भूख शांत करेगा।

वहीं इंसान ऐसा पतित प्राणी है, जो सब कुछ खा सकता है। घर की दाल छोड़कर अगर बाहर की मुर्गी मिले, तो सबसे पहले उस पर लपकेगा। वह किसी का हक, किसी के सपने, नौकरियाँ, राहत सामग्री, बजट, रिश्वत, यहाँ तक कि गरीब की आत्मा तक निगल सकता है। ज़रूरत हो तो वह सब कुछ खा सकता है—देश, काल, परिस्थिति के हिसाब से। जड़-चेतन, मूर्त-अमूर्त, हर चीज़।

आम आदमी ज़मीन पर बैठकर खाता है, नेता कुर्सी पर। और कुर्सी पर बैठते ही नेताजी की भूख सर्वव्यापी, सार्वकालिक और सर्वग्राही हो जाती है। नेताओं के लिए 'खाओ और खाने दो' का सिद्धांत विभागों को खुला लाइसेंस देता है—'खाओ, जितना खा सकते हो। सात पीढ़ियों तक के लिए खा जाओ।' पुल, सड़क, बाँध, इमारतें, आयोग भवन, सीमेंट, बालू, कागज के नोट, सोना-चांदी, अंगारे, भूवर—ये सब खाने की वस्तुएँ हैं। आदमी है कि सब कुछ पचा सकता है। पशुओं का चारा, गैस, डीज़ल, पशुआहार—हर चीज़ भोजन बन सकती है। संस्थाएँ भी तो खाने के लिए हैं। सेवा रूपी तलवार से डोनेशन की फसल काटी जा रही है।

कोई खाकर बौरा रहा है, कोई गुर्रा रहा है। कोई नहीं खाकर भी

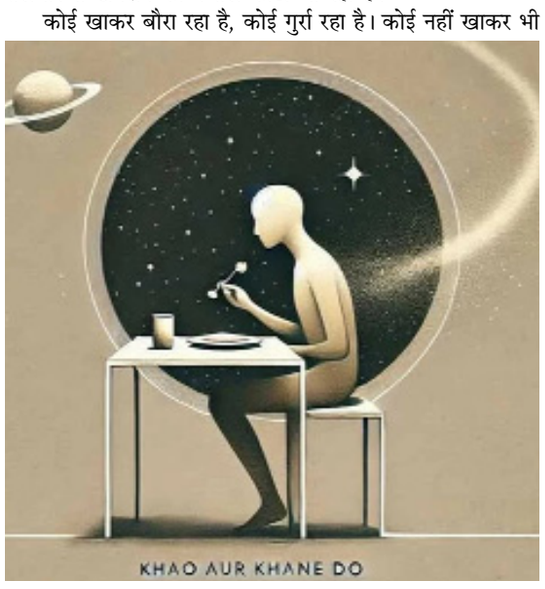

सुर्खियों में आ रहा है। फूल-मालाओं से लदा... वो अखबार में जगह घेर रहा है, लोगों के दिलों में जगह बना रहा है। खा सभी रहे हैं, लेकिन खाने को तो हमारे धर्मग्रंथों में भी मान्यता दी गई है—'भूखे पेट भजन न होय गोपाला।'

असली खिलाड़ी तो वही है जो खाकर पचा ले। यह तो नेता और अधिकारियों के बस की ही बात है, जो स्वार्थ, भ्रष्टाचार और अनैतिकता की त्रिफला चूर्ण की मदद से जो भी खाते हैं, सब पचा जाते हैं। उस पर अगर सत्ता का अभयदान भी मिल जाए, तो अपच होने का तो सवाल ही नहीं उठता। सरकारें खजाना इसलिए खाती हैं ताकि उसे दुबारा भरा जा सके। अगर सरकार का खजाना भरा रहेगा, तो जनता टैक्स देना भूल जाएगी। सब चिढ़ते हैं उनसे जो खाते नहीं, अनशन पर बैठ जाते हैं। वो नहीं खाते, तो खाने वालों की नींद हराम हो जाती है।

दो ही तरह के लोग हैं—खाने वाले, जिन्हें खाने को मिलता है, और न खाने वाले, जिन्हें खाने का अवसर नहीं मिलता। अगर उचित खाने को मिले, तो ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो खाने से इनकार करे। लोग कसम खा रहे हैं... कोई किसी का माथा खा रहा है, कोई किसी का वक्त। जो कहता है कि वो कुछ भी नहीं खा रहा है, वो झूठी कसम खा रहा है।

एक जादूगर खेल दिखा रहा था... कांच की ट्यूब लाइटें, गिलास—सब गपागप खा रहा था। यह देख मुझे हंसी आई। अरे, यह कौन सा जादू है? यह तो हमारे नेता बरसों से करते आ रहे हैं। वो खाने पर आयें तो पुल, सड़क,चारा यहाँ तक की पुब्लिक टॉयलेट्स तक खा जाएँ । मुफ्त में जादू दिखा रहे हैं और जनता ताली पीट रही है।

नेता खाते ही नहीं... खिलाते भी हैं—झूठे वायदे, खोखली घोषणाएँ, मुफ्त की रेवड़ियाँ, ताकि जनता बदले में वोट रूपी फसल दे। फिर नेता लोग उस फसल को काटते हैं और उसे दिल्ली की मंडी में उचित दाम पर बेचते हैं। अगर उनकी अपनी पार्टी उचित दाम नहीं लगाती, तो विरोधी पार्टियों से दाम लगवाते हैं। इस फसल के बदले में कुर्सी मिलती है, पद मिलते हैं, और अधिकार मिलते हैं।

कई बार इतना खा लिया जाता है कि पचना मुश्किल हो जाता है, और सड़न की दुर्गंध फैलने लगती है। विरोधी पार्टियाँ इसे सूंघ लेती हैं। उन्हें खाने से परहेज नहीं होता, लेकिन मौका न मिलने का गुस्सा बर्दाश्त करना उनके लिए मुश्किल होता है।

जाँच आयोग खाने की जाँच करते हैं, टेस्ट सैंपल लिए जाते हैं, और रिपोर्ट सबको बराबरी से कहने का हक दिलाती है।

जाँच की तलवार से, रिश्वत की तलवार से बस धन, पद और प्रतिष्ठा की फसल काटी जा रही है। जनता को सिर्फ सात्विक, सफेद धन ही खाने की इजाजत है। काला धन जैसा गरिष्ठ भोजन सिर्फ नेता लोग ही पचा सकते हैं।

देश इसी खाने की बीमारी से 'खाता-पीता देश' कहलाता है। अगर नेता और अधिकारी खाना छोड़ दें, तो अनजाने में ही कई जिंदगियाँ भूख से मर जाएँगी। पुलिस, कोर्ट-कचहरी सब ठप हो जाएँगे, और ट्रैफिक चौराहों पर पुलिसवाले आराम से बैठ जाएँगे।

प्रकृति खाना नहीं खाती, उसका स्वभाव देने का है—हवा, जल, आकाश, अग्नि। हमने प्रकृति का सब कुछ खा लिया। जंगल खा लिए, तो इमारतें बनीं; सड़कें खा लीं, तो गड्ढे बने; नदियाँ खाईं, तो नल-कूप बने।

देश की इस 'खाऊ संस्कृति' में कुछ लोग तो इतने विशेषज्ञ हो गए हैं कि देश में कोई भी कानून, नियम, आवंटन या स्कीम लागू हो, इससे पहले ही यह तय कर लेते हैं कि उसे खाने का तरीका क्या होगा। राजनीति में आए नए लोग पहले तो थोड़े हिचकिचाते हैं, लेकिन वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन पाकर जल्द ही वो भी 'खाऊ वीर' बन जाते हैं। अब चाहे वो शहर के बजट का हिस्सा हो, स्कूल की जमीन, या फिर किसी सरकारी योजना का अनुदान—सब कुछ उनकी भोजन की थाली में सज जाता है।

भ्रष्टाचार से भरी ज़िंदगी पर 'लोकप्रियता' का लेप है। यह 'खाओ और खाने दो' का दर्शन बन चुका है। भ्रष्टाचार एक ऐसा मिठास बन गया है, जो ऊपर से नीचे तक सबको घोल-घोल कर पिला दिया गया है।

'खाने की कला' एक सनातनी प्रथा है, जिसे लोग पीढ़ी दर पीढ़ी सीखते आए हैं। और सच में, यही कला विशुद्ध भारतीय धरोहर है, जो 'विकसित' और 'समृद्ध' लोकतंत्र के चारों स्तंभों को मजबूती दे रही है।

तो साहब, खाइए! बस इतना ध्यान रहे कि अगले चुनाव तक पचा भी लीजिए, वरना बदहजमी की गैस से कुर्सी भी तो हिल ही सकती है।

- डॉ. मुकेश असीमित

राशिफल

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष : दशमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा, लेकिन डिस्टर्बेंस चरम सीमा पर रहेगी। स्वास्थ्य भी थोड़ा मध्यम रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
मानसिक अवसाद की स्थिति रहेगी। बच्चों की सेहत को लेकर के मन परेशान रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
गृह कलह बड़े अवसर पर रहेगा। घरेलू सुख बाधित होगा। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी परेशानी में रहेगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम, संतान भी मध्यम है। यात्रा में कष्ट संभव है। चोट-चपेट लग सकती है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वंय के स्वास्थ्य पर जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क न लें। उदर रोग से परेशान हो सकते हैं।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
संतान की स्थिति ठीक है। व्यापार भी लगभग ठीक रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं का संकेत है। नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
स्वास्थ्य मध्यम, क्योंकि रक्तचाप थोड़ी गड़बड़ दिख रहेगी। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार ठीक-ठाक।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक असफलता दिख रही है। स्वास्थ्य मध्यम।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
धन-हानि के संकेत हैं। कोई भी निवेश मत करिए। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। प्रेम, संतान मध्यम।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
प्रेम, संतान भी खराब है। व्यापार मध्यम रहेगा। एक नकारात्मक ऊर्जा का संचार आपके अंदर होगा।

डीएम को सौंपा ज्ञापन

नोएडा (चेतना मंच)। जिला अधिकारी मनीष वर्मा को मिलकर U AIKS, CITU और जनवादी महिला समिति नेतृत्व ने संयुक्त रूप से अमरा राम सांसद, लोक सभा, सीपीआई(एम) के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में 3 दिसंबर से गिरफ्तार किसान नेताओं को बिना शर्त रिहा करने, जेल में बंद किसानों से मिलने की अनुमति देने, किसानों और परिवार को आतंकित करना बंद करने एवं किसानों की मांगों पर सम्मान जनक हल करने की मांग रखी गई। प्रतिनिधि मंडल में Aiks से कृष्णा प्रसाद, पूर्व एम एल ए, पुष्पेंद्र त्यागी, मनोज, Citu से अनुराग सक्सेना, राम सागर, ब्रिजेश कुमार सिंह, पूनम, मुकेश राघव, सुख लाल, महिला समिति से चंदा बेगम, रेखा मौजूद रहे।

जिलाधिकारी से वार्ता के बाद उन्होंने आश्वासन दिया कि महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य पर प्रशासन की दमन, घर नज़रबंद की नीति बंद होगी। किसानों को रिहा करने के मसले पर उन्होंने प्रशासन में आपसी वार्ता कर जवाब देने को कहा है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जारचा सादात के ऐतिहासिक इमामबाड़ा पोसते खाना में युफोरियल यूथ सोसाइटी द्वारा 'रक्त क्रांति' अभियान के तहत 'अय्यामे फ़ातिमया' के मौके पर एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों को जीवनदान देना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर अंजुमन परचमे अब्बास ने समाजसेवा का बेहतरीन उदाहरण पेश किया।

युवाओं ने दिखाया जोश

इस आयोजन में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिससे कई जरूरतमंद मरीजों को मदद मिल सकेगी। इस पहल को स्थानीय जनता का भी भरपूर समर्थन मिला।

अंजुमन परचमे अब्बास के मेम्बरान ने कहा कि रक्तदान न केवल किसी का जीवन बचाने का माध्यम है, बल्कि यह मानवता के प्रति हमारे कर्तव्य को भी दर्शाता है। यूफोरियल के अध्यछ देवेश जैसवाल कहते हैं के वो इस तरह के आयोजन कर के रक्तक्रांती ज़रूर लाएंगे वहीं, सेक्रेटरी मिन्हाज सुगरा ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि रक्तदान जैसे आयोजनों से न केवल जरूरतमंदों की मदद होती है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी मजबूत करता है।

समाजसेवा का संदेश

युफोरियल यूथ सोसाइटी ने इस शिविर के जरिए समाज को यह संदेश दिया कि रक्तदान सिर्फ एक सेवा नहीं, बल्कि इंसानियत की सबसे बड़ी मिसाल है। सोसाइटी का मानना है कि ऐसे आयोजन युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं।

इस शिविर ने यह साबित किया कि जब युवा एकजुट होकर समाजसेवा के लिए कदम बढ़ाते हैं, तो सकारात्मक बदलाव संभव है। इस आयोजन में संस्था के उपाध्यछ अनीश पाण्डे जी और अमन जी ने रक्तदाताओँ को मेडल और सर्टिफिकेट दे कर सम्मानित किया, इमामबाड़ा पोसते खाना का यह ऐतिहासिक आयोजन न केवल प्रेरणादायक था, बल्कि रक्तदान के महत्व को उजागर करने वाला एक आदर्श उदाहरण भी बन गया।

'रक्तदान करें, जीवन बचाएं' इस संदेश के साथ युफोरियल यूथ सोसाइटी ने एक नई सोच और उम्मीद का संचार किया।

श्रीमद्भागवत कथा में राजा परीक्षित की कथा का हुआ वर्णन

नोएडा (चेतना मंच)। ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी के दैवीय आशीर्वाद से नोएडा सेक्टर-110 स्थित रामलीला परिसर में ए के लाल मीडिया प्रभारी ने बताया की आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन विश्व विख्यात अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता परम पूज्य सुश्री गौरंगी गौरी ने भक्तों को राजा परीक्षित की जन्म कथा को विस्तार को सुनाया।

इस अवसर पर राजा परीक्षित की कथा सुनकर सभी भक्तगण आनंदित हुए। कथा के बीच अनेक भक्त कथा सुनकर झूम उठे। कथा कार्यक्रम के दूसरे दिन भक्तों की भारी भीड़ देखी गई।

नोएडा सेक्टर-110 के आस-पास के गाँव भंगेल बाजार, सलारपुर और गेझा, हाजीपुर के अलावा अनेक सोसाइटियों के भक्त बड़ी संख्या में मौजूद थे।

इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष एवं महर्षि विश्व विद्यालय के कुलाधिपति श्रीमान अजय प्रकाश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष राहुल भरद्वाज महर्षि संस्थान के वित्त निदेशक राजीव अरोरा वैद्य अच्युत त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। श्रीमद भगवत कथा के संयोजक रामेंद्र सचान तथा यजमान विनोद दीक्षित, विनीत श्रीवास्तव, शिशिर श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव, श्रीकांत ओझा सहित प्रबंध समिति के सभी सदस्य एवं अन्य पदाधिकारी और हजारों सनातन धर्म प्रेमी मौजूद थे।

मार्क्सवादी पोलित ब्यूरो की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के पोलित ब्यूरो की बैठक हुई। पोलित ब्यूरो ने अपना रुख दोहराया कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और अधिकारियों को धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित करना चाहिए। प्रशासन इस संबंध में इस्लामी कट्टरपंथी ताकतों की गतिविधियों को नजरअंदाज करता दिख रहा है। साथ ही, पोलित ब्यूरो ने भारत में भाजपा-आरएसएस और हिंदुत्व संगठनों के प्रयासों की निंदा की, जो भड़काऊ प्रचार करके भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। इस तरह के दृष्टिकोण से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के हितों को मदद नहीं मिलेगी।

पोलित ब्यूरो ने दोनों देशों में धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताकतों से सांप्रदायिकता के सभी रूपों के खिलाफ मजबूती से सामने आने का आह्वान किया, जो सीमा के दोनों ओर के लोगों के हितों को नुकसान पहुंचाएगा।

पोलित ब्यूरो ने निचली अदालतों में दायर किए जा रहे मुकदमों की बाढ़ पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की है, जिसमें दावा किया गया है कि आज जहां सदियों पुरानी मस्जिदें हैं, वहां मंदिर थे। वाराणसी और मथुरा के बाद, संभल में, एक निचली अदालत ने 16वीं सदी की मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया। इसके परिणामस्वरूप हिंसा हुई जिसमें चार मुस्लिम युवक मारे गए। इसके बाद, अजमेर शरीफ दरगाह के संबंध में अजमेर की सिविल अदालत में इसी तरह की याचिका पर विचार किया गया।

केदारनाथ सविता को वाराणसी में मिला 'सेवक साहित्य श्री सम्मान'

साहित्यिक संघ के 33वें अधिवेशन में किये गये सम्मानित

मिर्जापुर। मिर्जापुर के वरिष्ठ साहित्यकार केदारनाथ सविता को साहित्यिक संघ वाराणसी के 33 वें अधिवेशन में रविवार 8 दिसम्बर को श्री अग्रसेन कन्या इंटर कॉलेज, टाउन हाल, वाराणसी के सभागार में 'सेवक साहित्य श्री सम्मान-2024' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी लम्बी साहित्यिक सेवा के लिये दिया गया। इस दौरान पद्मश्री उषा यादव, डॉ रमाकांत शर्मा उद्भ्रांत, डॉ हरेन्द्र कुमार राय, धर्मेंद्र राय और सोच विचार पत्रिका के संपादक जितेंद्र नाथ मिश्र के हाथों पुष्पहार पहनाकर तथा शाल ओढ़ाकर सम्मान पत्र भेट किया गया। सभा को डॉ राम सुधार सिंह, अभिनव अरुण, हिमांशु उपाध्याय, डॉ जितेंद्र नाथ मिश्र, पद्मश्री उषा यादव आदि ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री उषा यादवने की। महेंद्र नाथ मिश्र स्मृति काव्य गोष्ठी में धर्मेंद्र गुप्त साहिल, अभिनव अरुण ने गजल पढ़ी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ जय प्रकाश मिश्र ने किया। डॉ बेनी माधव ने संचालन किया। वासुदेव ओबेराय ने व्यवस्था की देखरेख व अतिथियों को बैज लगाकर सम्मानित किया।

केदारनाथ सविता को सम्मानित किये जाने पर मिर्जापुर के कवियों एवं शायरों आदि ने उन्हें बधाई दी है। बधाई देने वालों मे सर्वश्री डॉ अनुज प्रताप सिंह, वृजदेव पांडेय,प्रमोद कुमार सुमन, गणेश गंभीर, लल्लू तिवारी, भोलानाथ कुशवाहा, अरविंद अवस्थी ,मुहिब मिर्जापुरी, जवाहर सिंह, इम्तियाज अहमद गुमनाम, आनन्द अमित, डॉ अनुराधा ओस, डॉ सुधा सिंह, इला जायसवाल, डॉ रंजना जायसवाल, हसन जौनपुरी, नंदिनी वर्मा, सारिका चौरसिया, अमरनाथ सिंह, पूजा गुप्ता, प्रमोद चंद्र गुप्त, पूजा यादव, खुर्शीद भारती, इरफान कुरैशी, श्याम अचल, हौसिला प्रसाद मिश्र आदि हैं।

डॉ. यू.एस. अवस्थी 'फर्टिलाइजर मैन ऑफ इंडिया' से सम्मानित

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. उदय शंकर अवस्थी को उर्वरक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सहकार भारती द्वारा प्रतिष्ठित फर्टिलाइजर मैन ऑफ इंडिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सहकार भारती के राष्ट्रीय महासचिव उदय जोशी ने जैसे ही उक्त पुरस्कार की घोषणा की इफको एवं डॉ अवस्थी के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई। डॉ. अवस्थी को पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया और दत्तात्रेय होसबोले द्वारा ताम्र पत्र (कांस्य पट्टिका) के साथ यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

अपने स्वीकृति भाषण में डॉ. अवस्थी ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और सहकार भारती के असाधारण जमीनी स्तर के काम की प्रशंसा की। उन्होंने रॉक फॉस्फेट, पोटाश और प्राकृतिक गैस जैसे आवश्यक उर्वरकों के लिए आयात पर भारत की निर्भरता को कम करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

इस चुनौती का समाधान करने के लिए, डॉ. अवस्थी ने नैनो उर्वरकों के विकास में इफको के अग्रणी प्रयासों पर प्रकाश डाला, जो मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करते हुए विदेशी मुद्रा बचाते हैं। उन्होंने सहकार भारती के कार्यकर्ताओं से नैनो उर्वरकों के लाभों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने का आग्रह किया, भारत को कृषि में आत्मनिर्भर बनाने की उनकी क्षमता पर जोर दिया।

डॉ. अवस्थी ने सहकारी समितियों के बीच सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया, सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए बड़ी सहकारी समितियों को छोटी सहकारी समितियों का समर्थन करने की वकालत की। उन्होंने टिप्पणी की कि सहकार भारती जैसे संगठन जमीनी स्तर पर लामबंदी पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि इफको जैसी व्यवसाय-उन्मुख संस्थाओं का कर्तव्य है कि वे उन्हें उनके लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता करें।

इफको फूलपुर इकाई के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव ने इस अवसर पर हर्ष व प्रसन्नता व्यक्त किया।

संयुक्त किसान मोर्चा गौतम बुद्ध नगर के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर जेल में बंद अपने क्रांतिकारी साथियों की रिहाई को लेकर सौंपा ज्ञापन। यदि जेल में बंद किसान जल्द रिहा नही किए गए तो लेंगे बड़ा निर्णय लिया जाएगा।

गोवंशों के गोबर से बनेगा फ्यूल, प्राधिकरण को आमदनी भी होगी

ग्रेनो प्राधिकरण दो गोशालाओं में बायो सीएनजी प्लांट बनाने जा रहा | गैस बेचने से प्राप्त रकम दोनों गोशालाओं के रखरखाव पर होगी खर्च

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अपनी दो गोशालाओं में गोवंशों के गोबर से फ्यूल बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। जलपुरा और पौवारी गोशाला में बायो सीएनजी प्लांट लगेगा। गोबर को प्रोसेस करने से प्राप्त बायो सीएनजी फ्यूल को बेचने से प्राप्त रकम को इन गोशालाओं के रखरखाव पर खर्च किया जाएगा। इससे गोवंशों की देखभाल में भी आसानी होगी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने जलपुरा और पौवारी गोशालाओं को स्व वित्त पोषित बनाने के उद्देश्य से गोबर गैस प्लांट लगाने के निर्देश दिए। प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग ने सबसे पहले जलपुरा गोषाला के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल निकाला, जिसके जरिए एक कंपनी एस 3 फ्यूल का चयन कर लिया गया है। कंपनी को अवार्ड लेटर जारी कर दिया गया है। कंपनी जल्द ही प्लांट लगाने पर काम शुरू कर सकती है। प्लांट को बनाने में लगभग डेढ़ साल का समय लगेगा। जलपुरा गोशाला के पास ही यह प्लांट लगेगा। इसे बनाने में करीब 17 करोड़ रुपए खर्च होने का आकलन है, जिसे कंपनी खुद वहन करेगी। रोजाना 50 टन प्रतिदिन के हिसाब से गोबर को प्रोसेस करेगी। अगर इस गोशाला से प्रतिदिन 50 टन गोबर प्राप्त नहीं होता है तो आसपास के गांवों से गोबर और घरेलू कचरा भी प्राप्त कर प्रोसेस करेगी। इससे आसपास के गांवों की सफाई व्यवस्था भी और बेहतर होगी। कंपनी खुद के पैसे से इसे बनाकर 15 साल तक चलाएगी। इन 15 वर्षों में प्राधिकरण को लगभग 6.48 करोड़ रुपये की प्राप्ति होगी। जलपुरा के साथ ही अब प्राधिकरण ने पौवारी गोशाला के लिए भी रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल निकाल दिया है। इसमें आवेदन के लिए 19 दिसंबर अंतिम तिथि है। इससे पहले 11 दिसंबर को प्रीबिड मीटिंग होगी। रोजाना 50 टन प्रतिदिन क्षमता के इस प्लांट को लगाने में लगभग 17 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है, जिसे कंपनी खुद वहन करेगी। निविदा प्रक्रिया पूरी होते ही काम शुरू करने की तैयारी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी अभिषेक पाठक का कहना है कि इन दोनों गोशालाओं में प्लांट शुरु होने से गोबर प्रोसेस होने के साथ ही आमदनी भी होगी, जिससे गोशालाओं के संचालन में भी मदद मिलेगी।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के आईपीओ पर सभी की नजरें

नई दिल्ली। ब्लैकस्टोन समर्थित कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 4,225 करोड़ रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। इस आईपीओ में 1,475 करोड़ रुपये की नई शेयर्स बिक्री के लिए पेशकश की जा रही है। कंपनी ने बयान दिया है कि यह आईपीओ 13 दिसंबर को खुलकर 17 दिसंबर को बंद होगा। ?विशेषज्ञ बता रहे हैं कि यह एक बड़ा मौका है निवेशकों के लिए। बड़े (एंकर) निवेशक 12 दिसंबर को बोली लगाने के लिए अवसर पाएंगे। यह आरंभिक भागीदारी का मौका भी है। इस आईपीओ से कंपनी की वृद्धि और विकास को गति मिलेगी।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने का तैयारी कर ली है। यह योजना निवेशकों को सोने की कीमत के बराबर भुगतान और ब्याज हासिल कराती थी, जिससे सरकार का वित्तीय बोझ बढ़ जाता था। सरकार ने अपने कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में व्यापक कमी करने का निर्णय लिया है और इस कदम के साथ सोने के आयात को भी कम किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि 2026 के बजट में कर्ज घटाने के लिए एक विस्तृत योजना प्रस्तुत की जा सकती है। वित्त वर्ष 2025 में ऋण-जीडीपी अनुपात को 56.8 फीसदी रखने की उम्मीद है, जो 2024 में 58.2 फीसदी था। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना की शुरूआत 2015 में हुई थी और इसका उद्देश्य फिजिकल गोल्ड की जगह बॉन्ड में निवेश को बढ़ाना था। वित्त वर्ष 2025 में अब तक कोई नया गोल्ड बॉन्ड जारी नहीं किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 18,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया था।

ट्रैक खंड तेजी से बढ़ रहा है : सीएट सीईओ

मुंबई। सिएट कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने मिशेलिन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके अनुसार कंपनी 1,905 करोड़ रुपये में कैम्सो ब्रांड के ऑफ-हाइवे निर्माण उपकरण खरीदेगी। यह समझौता सिएट कंपनी को ओएचटी वितरक बनाने की महत्वाकांक्षाओं में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिग्रहण में 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मूल उपकरण निमार्ता और मिशेलिन की दो विनिर्माण सुविधाएं शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि ट्रैक खंड में तेजी से वृद्धि हो रही है और इसमें प्रीमियम की भी बड़ी मांग है। उन्होंने बताया कि ट्रैक खंड में आकर्षकता बढ़ी है और ट्रैक उत्पादन पर कंपनी का ध्यान केंद्रित रहेगा।

रुपया सात पैसे गिरकर 84.73 डॉलर पर

मुंबई। विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में नरमी के दौरान रुपया सोमवार को शुरूआती कारोबार में सात पैसे की गिरावट के साथ 84.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आयातकों और विदेशी बैंकों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने से रुपया कमजोर हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.70 पर खुला।

फिनटेक फर्म ग्राहकों को दे रही 9.5 फीसदी तक ब्याज का ऑफर

मुंबई। फिनटेक कंपनियां अपनी वित्तीय सेवाओं के दायरे को बढ़ाते हुए सावधि जमा (एफडी) पर ध्यान दे रही हैं। स्टेबल मनी, पिलपकार्ट के निवेश वाली सुपरडॉट मनी और मोबिक्विक जैसी नए जमाने की फर्में इस तरह की सेवाएं दे रही हैं जिन पर अलग-अलग परिपक्वता अवधि की सावधि जमा पर 9.5 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है। यह पहला मौका है जब फिनटेक फर्में एफडी जैसे निवेश साधनों में दिलचस्पी दिखा रही हैं। फिनटेक फर्में लघु वित्त बैंकों, जमा स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और वाणिज्यिक बैंकों के साथ साझेदारी कर इस तरह की सेवाएं मुहैया करा रही हैं।

भारत में एफडीआई ने बनाया कीर्तिमान

- 1 ट्रिलियन डॉलर के पार
- मायरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड और कई अन्य देशों से आया निवेश
- उत्पीड़न से अनुमानित है कि भारत में एफडीआई में और भी प्रगति होगी
- दुनिया भर में कंपनियां चीन से हटकर, भारत को अपनी गतिशीलता का लाभ उठाएंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। बढ़ते चीनी टेंशन के मद्देनजर भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) ने एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 के दौरान एफडीआई प्रवाह ने 1000 अरब डॉलर को पार करके 1033.40 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा भारत को एक वैश्विक निवेशकों के लिए मुख्य निवेश स्थल के रूप में स्थिर रखता है। इस अवधि के दौरान एफडीआई से मायरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड, जापान, ब्रिटेन, यूएई, और कई अन्य देशों से निवेश आया। इन निवेशों का मुख्य धारा वाणिज्य, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, आयात-निर्यात, औद्योगिक विकास, ऑटोमोबाइल, रसायनिक उत्पादन, और दवा क्षेत्र में था। इस उच्च वृद्धि के साथ भारत में एफडीआई आगे बढ़ने की उम्मीद है। दुनिया भर में कई बड़ी कंपनियां अपने व्यापार की राह देख भारत को पसंद कर रही हैं। आगे बढ़ते भारत को धीरे-धीरे एफडीआई में सक्रिय होने के संकेत हैं, जिनके पीछे चीन के राजनीतिक सीने में उठाए गए उत्पीड़न का भय का। यह वाणिज्यिक सेवाओं में सुधार, उत्पादक सेक्टर में वृद्धि, और व्यवसायिक पर राष्ट्रीय कारोबार में व्यापारिक आकार में हो सकता है। यह उम्मीद की जा रही है कि दुनिया भर में कंपनियां चीन से हटकर, भारत को अपनी गतिशीलता का लाभ उठाएंगी, जिससे दोनों देशों के बीच एक नए एकांकी निकलेगा। इस तरह के उत्पीड़न से अनुमानित है कि भारत में एफडीआई में और भी प्रगति होगी।

टाटा पंच ने मारुति की लोकप्रिय वैगनआर को पछाड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की टाटा पंच ने मारुति की वैगनआर को बिक्री के मामले में पछाड़ दिया है और सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों की सूची में अपनी जगह बनाई है। टाटा पंच को अक्टूबर 2021 में बजट एसयूवी के रूप में लॉन्च किया गया था और तब से इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इसने न केवल अपने सेगमेंट में सबसे बेस्ट परफॉर्मेंस, स्पेस और सुरक्षा फीचर्स दिए हैं, बल्कि इसकी कीमत भी किफायती रही है। मार्केट रिसर्च फर्म जाटो डायनामिक्स के अनुसार, जनवरी से जुलाई 2024 के बीच टाटा पंच की कुल 1,26,000 यूनिट्स की बिक्री हुई है, जबकि इसी दौरान मारुति वैगनआर ने 1,16,000 यूनिट्स बेचीं। टाटा पंच ने बिक्री में मारुति वैगनआर को पीछे छोड़ दिया है। खास बात यह है कि पंच की बिक्री में सीएनजी और इलेक्ट्रिक वेरिएंट्स का योगदान 47 प्रतिशत रहा है, जो इसकी लोकप्रियता और उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को दर्शाता है। वहीं, वैगनआर की 45प्रतिशत बिक्री सीएनजी वेरिएंट से हुई है। टाटा पंच की कीमत 6.12 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है और इसे पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वेरिएंट्स में पेश किया जा रहा है। यह कार 5-स्टार ग्लोबल एनकैप सेफ्टी रेटिंग के साथ आती है, जो इसे बाजार में सबसे सुरक्षित कारों में से एक बनाता है। पंच, जो कि एक माइक्रो एसयूवी है, किफायती कीमत पर एसयूवी जैसी सुविधाएं देती है, यही कारण है कि यह ग्राहकों के बीच एक आकर्षक विकल्प बन चुकी है। टाटा पंच ने इस बदलाव का सही समय पर फायदा उठाया है और अब यह भारतीय बाजार में एक प्रमुख नाम बन चुका है। इससे यह भी स्पष्ट है कि भारतीय उपभोक्ताओं की रुचि अब पारंपरिक पेट्रोल-डीजल से हटकर इलेक्ट्रिक और सीएनजी जैसे वैकल्पिक ईंधन विकल्पों की ओर बढ़ रही है।

वी बिजनेस ने कॉर्पोरेट ईजी प्लस प्लान पेश किया

- इजी प्लस के साथ वी बिजनेस, कर्मचारियों के लिए कॉर्पोरेट पोस्टपेड प्लान के अनुभव को बदल देना चाहता है

रांची। जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया की एंटरप्राइज शाखा वी बिजनेस ने कॉर्पोरेट पोस्ट-पेड प्लान्स पर नए प्रपोज़िशन इजी प्लस का लॉन्च किया है, जिसके तहत सब्सक्राइबर्स मौजूदा कॉर्पोरेट प्लान्स पर अपनी व्यक्तिगत जरूरतों के लिए इंटरनेशनल रोमिंग, ओटीटी सब्सक्रिप्शन एवं अन्य सर्विसेज को सलेक्ट कर इन्हें खरीद सकते हैं। वी ऐप डाउनलोड कर वे इन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। अपनी तरह की अनूठी यह पेशकश कर्मचारियों के लिए अपनी जरूरत की सेवाओं को खरीदने के अनुभव को आसान बनाती है वे कॉर्पोरेट पोस्ट-पेड प्लान्स पर इन सेवाओं का खरीद कर बेजोड़ अनुभव पा सकते हैं। लॉन्च पर बात करते हुए रोएरिच कौशल, एक्जक्टिव वाईस प्रेजीडेन्ट, एंटरप्राइजेज मोबिलिटी बिजनेस एण्ड मार्केटिंग ने कहा कि इजी प्लस के साथ वी बिजनेस, कर्मचारियों के लिए कॉर्पोरेट पोस्टपेड प्लान के अनुभव को बदल देना चाहता है, जहां वे अपनी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार सर्विसेज को सलेक्ट कर इन्हें खरीद सकते हैं। आज की कनेक्टेड दुनिया में कर्मचारी उम्मीद करते हैं कि वे आसानी से इंटरनेशनल रोमिंग, ओटीटी सब्सक्रिप्शन, डेटा पैक का अनुभव पा सकें और इसके लिए उन्हें कई मोबाइल नंबर रखने या अप्रूवल्स की परेशानी न हो। 'यह प्रोपोज़िशन आज के कर्मचारियों को सुविधा प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमें उम्मीद है कि छुट्टियों के आगामी सीजन में उपभोक्ता इजी प्लस के जरिए इंटरनेशनल रोमिंग का लाभ उठा सकेंगे और अपने कॉर्पोरेट प्लास पर अतिरिक्त सुविधा का आनंद उठा सकेंगे।'

भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ी, 10 साल में संपत्ति तीन गुना बढ़ी

अमेरिका और चीन के बाद भारत का तीसरा स्थान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में अरबपतियों की संख्या ने एक और बड़ी ऊंचाई पर छू ली है, जैसे अमेरिका और चीन के बाद यहां अरबपतियों की सबसे अधिक संख्या है। एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि सालभर में इन धनवानों की दौलत में 42 फीसदी की वृद्धि भी हुई है। अमेरिका स्थित एक रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 32 नए अरबपति इस साल जुड़े हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में नए सफलता के संकेत दर्शाते हैं, दिखाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से उभार की दिशा में अग्रसर हो रही है। टेक सेक्टर में भी अरबपतियों की संपत्ति में भयानक वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे जुड़ी उछाल के पीछे जनरेटिव एआई, साइबर सुरक्षा, फिनटेक और रोबोटिक्स में ग्रोथ और निवेश के माध्यम से दौलत की वृद्धि हुई है। अरबपतियों का कारोबार सेक्टर में तेजी से बढ़ रहा है। चीन के संपत्ति सुधार कॉमर्शियल रियल एस्टेट पर महामारी के प्रभाव और ब्याज दरों में वृद्धि के कारण, ये क्षेत्र उस समय मुश्किल झेल रहे हैं। इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारत में धनिक व्यक्ति क्षमतायें और उदारीकरण के माध्यम से व्यापारिक मंच पर अपनी मौजूदगी बनाए रख रहे हैं। यह आर्थिक विकास के दिशा सूची बनाने के लिए एक अच्छा संकेत है और भविष्य में इन अरबपतियों की संख्या में और वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है।

फ्लिपकार्ट पर धमाकेदार और ऑफ सीजन सेल की शुरूआत

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन सामान खरीदने वाले ग्राहकों के लिए फ्लिपकार्ट पर धमाकेदार एंड ऑफ सीजन सेल की शुरूआत हो गई है। आगामी 13 दिसंबर तक चलने वाली इस सेल में आप टॉप कंपनियों के स्मार्टफोन्स को बेस्ट डील में खरीद सकते हैं। सेल में अगर गूगल, सैमसंग या ऐपल कंपनियों के फोन पर तगड़ा डिस्काउंट और कैशबैक दिया जा रहा है। साथ ही आप इन फोन को जबर्दस्त एक्सचेंज बोनस के साथ भी खरीद सकते हैं। ध्यान रहे कि एक्सचेंज ऑफर में मिलने वाला डिस्काउंट आपके पुराने फोन की कंडीशन, ब्रैंड और कंपनी की एक्सचेंज पॉलिसी पर निर्भर करेगा। 8जीबी रैम और 128जीबी के इंटरनल स्टोरेज वाला गूगल पिक्सल 8ए फोन सेल में 36,999 रुपये का मिल रहा है। फोन खरीदने के लिए अगर आप आईसीआईसीआई बैंक के कार्ड से पेमेंट करेंगे, तो आपको 2 हजार रुपये का डिस्काउंट मिलेगा। फ्लिपकार्ट ऐक्सिस बैंक के कार्ड होल्डर्स को कंपनी 5 पर्सेंट का कैशबैक भी देगी।

देश में दोपहिया वाहनों की अच्छी मांग

नवंबर में खुदरा बिक्री 11.21 प्रतिशत बढ़ी : फाडा

- इस साल 32,08,719 इकाई बिक्री गई, जबकि पिछले साल इसी समय में 28,85,317 इकाई थी

एजेंसी

नई दिल्ली। दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री ने नवंबर महीने में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है। इस बढ़ोतरी के साथ विभिन्न श्रेणियों के वाहनों की खरीदारी में वृद्धि दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस वृद्धि का मुख्य कारण अच्छे किसानी उत्पादन के आंकड़े और आर्थिक माहौल में सुधार की उम्मीद है। नवंबर महीने में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में 11.21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें इस साल 32,08,719 इकाई बिक्री गई, जबकि पिछले साल इसी समय में 28,85,317 इकाई थी। इसके साथ ही यात्री वाहनों की बिक्री में कुछ गिरावट भी दर्ज की गई है, जो विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रही है। फाडा के अध्यक्ष ने इस संकेत को बताया कि ग्रामीण बाजारों से थोड़ी सी सहायता मिली है, लेकिन विवाह संबंधी बिक्री में कुछ कमी दर्ज हुई है। इस बढ़ोतरी के साथ, वाणिज्यिक वाहन खंड में भी गिरावट दर्ज की गई है, जो व्यापक आर्थिक माहौल में सुधार की उम्मीद का संकेत देती है। इस अक्टूबर में हुई त्योहारी मांग के स्थानांतरण के कारण, डीलरों के अनुसार, दिसंबर महीने का तात्कालिक परिदृश्य मिश्रित है। इसके बावजूद आने वाले महीनों में उपभोक्ता भावना में सुधार की उम्मीद है।

अदाणी समूह राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ का करेगा निवेश

जयपुर। अदाणी समूह ने राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि वह पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी। यह निवेश विभिन्न क्षेत्रों में किया जाएगा जैसे ऊर्जा, हाइड्रोजन और जलविद्युत परियोजनाएं आदि। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस निवेश से राजस्थान में हरित रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी की योजना दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत ऊर्जा परिवेश बनाने की है। यहां हुए राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन में अधिकारी ने कहा कि कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों में इस विशाल निवेश की योजना बनाई है।

पृष्ठ एक के शेष....

'बैग पर लिखा मोदी...

इस दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि हम लोग सदन की कार्यवाही में भाग लेना चाहते हैं लेकिन सरकार चर्चा नहीं चाहती है. किसी न किसी बहाने से वो सदन की कार्यवाही को स्थगित कर रहे हैं।

वहीं, इस दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस सांसदों से कहा कि वे बहस और चर्चा में भाग लें और अच्छी उपस्थिति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि सदन में बहस हो और मुद्दों पर बातचीत हो।

टॉफी के बहाने बच्ची...

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद राजा पुत्र संतोष कुमार को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। वह सदर सराय कॉलोनी का रहने वाला है, उसने अपने घर के सामने खेल रही 5 साल की मासूम बच्ची को ट्रॉफी दिलाने के बहाने गलत नीयत से जंगल की ओर ले जा रहा था। इस दौरान बच्ची को रोता देख लोग इकट्ठा हो गए। तो वह बच्ची को छोड़कर भाग गया।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि बच्ची की मां की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की शुरू कर दी। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी राजा सेक्टर-42 के जंगल में छिपा हुआ है। जब पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने पहुंची तो उसने पुलिस टीम पर फायर कर भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. आरोपी राजा के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा और कारतूस बरामद किया है। उसके अपराधिक इतिहासों और अन्य जानकारी करने हासिल करने में पुलिस जुटी है।

संगठनात्मक चुनावों को...

की संयुक्त बैठक लेंगे। इस मौके पर सांसद डा. महेश शर्मा, नोएडा दादरी तथा जेवर के विधायक, चुनाव अधिकारी तथा कौशांबी के पूर्व सांसद विनोद सोनकर एवं पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे। बैठक में मंडल अध्यक्ष तथा नोएडा महानगर एवं जिला अध्यक्ष के चुनाव को लेकर गंभीर चर्चा के साथ आवश्यक दिशा-निर्देश दिये जाएंगे।

बता दें कि 14-15 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों की चुनावी कवायद पूरी करके नामों की घोषणा कर दी जाएगी। इसके बाद 15 दिसंबर से जनवरी के प्रथम सप्ताह में नोएडा महानगर तथा जिला अध्यक्ष की भी घोषणा हो जाएगी। इस बीच पर्यवेक्षक व चुनाव अधिकारी चुनावी प्रक्रिया व औपचारिकता पूरी करने की कवायद कर रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा में थार...

के रूप में हुई जिस गाड़ी में छात्र का शव मिला वह गाड़ी अंदर से लॉक थी।

थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में जांच की गई तो पता चला कि मृतक छात्र हर्ष शर्मा के परिजनों ने दिल्ली में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पहले बताया जा रहा था कि छात्र शारदा यूनिवर्सिटी का है लेकिन इस संबंध में जब शारदा यूनिवर्सिटी से पता किया गया तो वह छात्र उनकी यूनिवर्सिटी का नहीं निकला। वहीं छात्र के परिजनों का कहना है कि हर्ष पिछले कुछ दिनों से गायब था। उसे काफी ढूंढा लेकिन नहीं मिलने पर उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

किसानों के समर्थन...

यमुना विकास प्राधिकरण से प्रभावित किसानों द्वारा किए जा रहे आंदोलन को समर्थन देते हुए प्रशासन और पुलिस की कार्यवाही को दमनकारी बताया गया। संगठन के सचिव धीरेंद्र भाटी ने बताया कि किसानों की जायज मांगों को शासन प्रशासन पूरा नहीं कर रहा है और दमनकारी नीति अपनाकर उनके आंदोलन को दबा रहा है। इसकी बार एसोसिएशन कड़ी निंदा करती है और मांग करती है कि आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी किसानों को आज शाम तक रिहा किया जाए नहीं तो जनपद के वकील आगे कोई बड़ा फैसला लेंगे।

23 वर्ष बाद पूरा हुआ...

इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जो सपना था वो साकार हुआ। प्रधानमंत्री यह कहते हैं कि जिसका शिलान्यास करो उसका उद्घाटन भी करो और उनका यही संकल्प आज नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ट्रायल रन के साथ पूरा हुआ है। इस हवाई अड्डे को जल्द ही प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश को समर्पित करेंगे।

गौतमबुद्धनगर संसदीय क्षेत्र के विकास को पंख लगाने के लिए जो एक सपना मैंने देखा था। नोएडा जेवर एयरपोर्ट पर ट्रायल के दौरान नागरिक उड्डयन मंत्री किनजरापु राम मोहन नायडू, विधायक जेवर धीरेन्द्र सिंह के साथ पहली बार विमान लेडिंग के एतिहासिक क्षण का साक्षी बन पुरा हुआ। गौतमबुद्धनगर क्षेत्र की क्षेत्रवासियों के लिए ये यह अत्यन्त गौरव का पल है।

'जेल में बंद किसानों...

एडिशनल कमिश्नर शिव हरी मीणा और डीएम गौतमबुधनगर दोनों ने ही पुलिस के इन क्रियाकलापों पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने और किसानों की बिना शर्त रिहाई के लिए आश्वस्त किया। प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास ने आंदोलन के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर मांगों पर आश्वासन दिया। इस मौके पर किसानों ने कहा कि किसान संगठनों में कोई फूट नहीं है। हम सभी एक साथ है और आगे बढ़ रहे है।

संयुक्त किसान मोर्चा उम्मीद करता है कि इस मीटिंग के बाद शासन व प्रशासन सकारात्मक रवैया अपनाएगा और अफरा तफरी के इस माहौल को खत्म करके संवाद की तरफ आएंगे। एक बार फिर स्पष्ट किया जाता है कि संयुक्त किसान मोर्चा सबसे पहले जेल में बंद अपने नेताओं और किसानों को बाहर लेकर आएगा और फिर संवाद की रणनीति के तहत जिन मुद्दों पर आंदोलन शुरू हुआ था उन्हें आगे लेकर चलेगा और समाधान करेगा।

नूरी जामा मस्जिद का...

लिए एक माह का समय मांगा था। इस सर्वे में 133 मकान व दुकानें भी अतिक्रमण की जद में आई थी। एक माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद मंगलवार को एडीएम व एएसपी की मौजूदगी में सुबह बुलडोजर से मस्जिद का पिछला हिस्सा ढहाया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से पीएसी व आरएएफ पुलिस बल के साथ राजस्व टीम भी मौजूद रही। एएसपी विजयशंकर मिश्र ने बताया कि शांति व्यवस्था कायम है, अतिक्रमण की जद में आई मस्जिद का पिछला हिस्सा तोड़ा जा रहा है।

नूरी जामा मस्जिद कमेटी सचिव सेय्यद नूरी ने बताया कि नोटिस के खिलाफ उच्च न्यायालय इलाहाबाद में रिट दायर कर दी थी जिसमें 13 दिसंबर को सुनवाई होनी थी लेकिन उसके पहले ही मस्जिद तोड़ दी गई जो कोर्ट की अवहेलना है।

किसानों के साथ उत्पीड़न नहीं होने देगी रालोद

पुलिस कमिश्नर से वार्ता की रालोद के प्रतिनिधिमंडल ने : जर्नादन भाटी

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में किसानों के साथ किसी भी तरह का उत्पीड़न व शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस व प्राधिकरण किसानों के साथ बेहतर व्यवहार करे। यह निर्देश दिये राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने। उन्होंने इस संदेश के साथ पुलिस कमिश्नर के पास एक प्रतिनिधिमंडल भेजकर वार्ता करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह (केंद्रीय मंत्री भारत सरकार) के आदेश पर गौतमबुधनगर राष्ट्रीय लोकदल का एक प्रतिनिधिमंडल जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी के नेतृत्व में पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह से मिलकर गौतमबुधनगर के किसानों की समस्याओं का निस्तारण करने के लिए व जेल में बंद किसानों को शीघ्र रिहा करने के लिए और भविष्य में किसानों का उत्पीड़न न करने बात कही।

पुलिस कमिश्नर ने प्रतिनिधिमंडल को पूरा आश्वासन दिया कि पुलिस के द्वारा किसी भी किसान के साथ कोई जबरदस्ती नहीं की जाएगी और जिले में किसान शांतिप्रिय तरीके से अपनी बात कर सकते हैं।

इस मौके पर मनोज चौधरी राष्ट्रीय प्रवक्ता, अजीत सिंह दौला प्रदेश उपाध्यक्ष, एड. इंद्रवीर सिंह भाटी अध्यक्ष मेरठ मंडल, जसवीर भाटी जिला महासचिव गौतम बुद्ध नगर आदि लोग मौजूद रहे।

दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता

शानदार उपलब्धि पर राजकुमार का भव्य स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश फिजिकली चैलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा 1-3 दिसंबर को आयोजित 100 बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में कुलीपुरा सलेमपुर गुर्जर, जनपद गौतमबुद्धनगर निवासी राजकुमार पुत्र शामल ने कमाल कर दिया। राजकुमार ने ऑल राउंड खिलाड़ी के रूप में अपना बेहतर प्रदर्शन करके शानदार उपलिब्ध हासिल की। बता दें कि राजकुमार का चयन मेरठ फाइटर टीम में ऑल राउंडर के रूप में हुआ था। इस शानदार उपलब्धि के जरिए राजकुमार ने क्षेत्र, गांव, समाज व परिवार का नाम रोशन किया है। इस मौके पर राजकुमार का भव्य स्वागत किया गया। मौके पर भाजपा नेता मोहित भाटी, नरेंद्र भाटी, कपिल भाटी, नरेन्द्र भाटी जुगला (गिरधरपुर), आलोक शर्मा, अंकित भाटी, कुलदीप बाल्मीकि, अनूप शर्मा, नवीन दरोगा ने राजकुमार को माला पहनाकर स्वागत किया।

खास खबर

प्रधानमंत्री मोदी ने सोनिया गांधी को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने उनके दीर्घायु होने की कामना की।प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पर लिखा, "सोनिया गांधी के जन्मदिन पर मैं उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं।" उल्लेखनीय है कि सोनिया गांधी राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस ससंदीय दल की अध्यक्ष हैं। वो आज 78 साल की हो गईं।

शिमला में विंटर सीजन की पहली बर्फबारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में रविवार देररात ताजा बर्फबारी हुई है। वर्षों बाद दिसंबर के दूसरे हफ्ते में शिमला शहर में विंटर सीजन की पहली बर्फबारी हुई। शहर से सटे पर्यटन स्थलों कुफरी, फागू और नारकंडा में भी जमकर बर्फ गिरी है। इसके अलावा लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू, मनाली, चम्बा व सिरमौर के ऊंचे इलाकों और कांगड़ा के धौलाधार की पहाड़ियां भी बर्फ से लकदक हैं। हिल स्टेशन शिमला में देवदार के पेड़, घरों की छत, रास्ते व सड़कों पर बर्फ की सफेद चादर बिछी है। इस बर्फबारी से सैलानी खुश हो गए हैं और इससे पर्यटन कारोबार को रफ्तार मिलेगी। सैलानियों ने देररात रिज मैदान और मॉल रोड पर नाच-गाकर बर्फबारी का लुत्फ लिया।

इस्कॉन ने जताई बांग्लादेश में नरसंहार की आशंका

कोलकाता। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के नरसंहार की आशंका जाहिर की है। इसके साथ ही संगठन ने भारत से बांग्लादेश पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है ताकि हालात काबू में आ सके। संगठन के वरिष्ठ अधिकारी ने चेतावनी दी है कि अगर बांग्लादेश में हालात नहीं संभाले गए तो वहां बड़ा नरसंहार हो सकता है। इस्कॉन-कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने रविवार शाम यह गंभीर बयान दिया। दास ने कहा कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी लोग इस्कॉन के अनुयायियों के खिलाफ नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई वीडियो सामने आए हैं जिनमें कट्टरपंथी आम लोगों को उकसा रहे हैं और कह रहे हैं कि ₹इस्कॉन एक कैंसर है, जिसे काटकर ही खत्म किया जा सकता है।दास के अनुसार, ऐसे कट्टरपंथी अपने सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में अनुयायियों को इस्कॉन के अनुयायियों को खत्म करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

खाई में गिरी बाइक तीन युवकों की मौत

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के कोन-तेलुगुडुवा मार्ग पर एक बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी जिसमें सवार तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि रविवार शाम करीब सात बजे हुई दुर्घटना में तीन बाइक सवारों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। मृतकों की उम्र करीब बीस साल थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी हर्ष पांडे ने बताया कि बिलरुआ गांव के पास एक बाइक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई, जिससे उस पर सवार तीन युवक घायल हो गए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को अपने सरकारी वाहन से कोन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोन थाने के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तीनों बाइक सवारों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

भारत में डिजिटल क्रांति से सुगम हुआ है जीवन: कीर्ति वर्धन

- राजधानी से 100 रुपये निकलते हैं तो वो 100 के 100 रुपये लाभार्थियों के पास पहुंचते हैं। गांवों में इंटरनेट की पहुंच हुई है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विदेश, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व व सोच का प्रभाव है कि आज पूरी दुनिया भारत में हुए डिजिटल क्रांति की तारीफ कर रही है। मोदी सरकार द्वारा 01 जुलाई 2015 को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था, जिसका उद्देश्य डिजिटल सेवाओं, डिजिटल पहुंच, डिजिटल समावेशन और डिजिटल सशक्तीकरण को सुनिश्चित करके भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था और डिजिटल रूप से सशक्त समाज में परिवर्तित करना था। आज अगर आप एक क्लिक से पैसा ट्रांसफर करने से लेकर तमाम जरूरी काम कर पाते हैं तो इसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी की व्यापक सोच है। केंद्रीय राज्य मंत्री सोमवार को जोरबाग स्थित पर्यावरण भवन में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तथा कनेक्टिविटी विषय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया ने 2047 में विकसित भारत की नींव रख दी है। पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने देश में डिजिटल क्रांति लाने और लोगों को डिजिटली काम करने के लिए प्रेरित किया है, जो अभूतपूर्व है। इसका सीधा सकारात्मक असर 140 करोड़ देशवासियों पर हो रहा है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने भारत में डिजिटल क्रांति को लेकर विदेश में हो रही चर्चा व अनुभव से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जब वे विदेश में प्रवास पर होते हैं तो वहां की सरकार के प्रतिनिधि व जनमानस के मुंह से भारत की डिजिटल क्रांति की बात सुनकर बहुत अच्छा लगता है। यह सुखद है कि डिजिटल इंडिया को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के विजन ने पूरे देश को विश्व मानचित्र पर एक अलग पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि जब डिजिटल इंडिया की शुरूआत हो रही थी, तब विपक्ष के मित्रों ने जमकर आलोचना की लेकिन वे सब गलत साबित हुए। देश में डिजिटल सेवाओं की वजह से भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगा है। यूपीआई, डिजी लॉकर, डिजी यात्रा, कोविन, आरोग्य सेतु, ई-संजीवनी, उमंग, जेम, दिक्षा, ई-हॉस्पिटल और ई-कोर्ट आदि ऐसे कई पहल करोड़ों जिंदगियों को छू रही हैं। उनके कार्यों को सरल व सुगम बना रहे हैं। देश में डिजिटल क्रांति का ही कमाल है कि अगर देश की राजधानी से 100 रुपये निकलते हैं तो वो 100 के 100 रुपये लाभार्थियों के पास पहुंचते हैं। गांवों में इंटरनेट की पहुंच हुई है। उन्होंने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का जिक्र करते हुए कहा कि डिजिटल माध्यम से यहां का कार्य काफी व्यवस्थित हुआ है।

गुजरात में दो कारों की भिड़ंत में पांच विद्यार्थी समेत सात की मौत

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के जूनागढ़ के मालिया हटिया के समीप जूनागढ़-वेरावल हाईवे पर भंडूड़ी के पास दो कारों की सोमवार सुबह भीषण टक्कर में 7 लोगों की मौत हो गई। घटना में एक कार का गैस का सिलेंडर फटने से पास स्थित झोपड़ी में आग भी लग गई। मृतकों में पांच विद्यार्थी शामिल हैं जो परीक्षा देने जा रहे थे। घटना के संबंध में पुलिस उपाध्यक्ष दिनेश कोडियातर ने बताया कि मालिया के भंडूड़ी गांव के पास दो कारों की जोरदार टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए मालिया के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के संबंध में एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, उसकी जांच की जा रही है। घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड समेत स्थानीय प्रशासन और पुलिस पहुंची। कार के सिलेंडर से झोपड़ी में लगी आग को फायर ब्रिगेड के जवानों ने बुझाया। मृतकों में दो जानुदा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं, जबकि दूसरी कार में सवार पांच मृतक विद्यार्थी हैं और वह सभी केशोद गांव के आसपास रहने वाले बताए गए हैं, जो गड्डू गांव में परीक्षा देने जा रहे थे।

उप्र के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा पहला विमान,इंडिगो फ्लाइट की सफल लैंडिंग

- एयरपोर्ट अप्रैल 2025 से कमर्शियल उड़ानों के लिए खुल जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को फ्लाइट की सफलपूर्वक टेस्ट लैंडिंग हुई। इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट संख्या अ320 नियो ने नोएडा एयरपोर्ट पर पहली सफल लैंडिंग की। एयरपोर्ट पर विमान का वॉटर कैनन से स्वागत किया गया। ये एयरपोर्ट अप्रैल 2025 से कमर्शियल उड़ानों के लिए खुल जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एन आईएएल) ने अप्रैल 2025 में हवाई अड्डे के वाणिज्यिक उद्घाटन से पहले, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए पहला उड़ान सत्यापन परीक्षण आयोजित किया। एनआईएएल ने अगले साल 17 अप्रैल, 2025 को हवाई अड्डे के वाणिज्यिक उद्घाटन से पहले आज पहला उड़ान सत्यापन परीक्षण किया। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इंडिगो एयरलाइन का एक परीक्षण विमान तकनीकी मूल्यांकन के लिए नोएडा के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा।

दिल्ली के 40 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करीब 40 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को ई-मेल भेजकर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इन स्कूलों में आरके पुरम का दिल्ली पब्लिक स्कूल, पश्चिम विहार का जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, मदर मैरी स्कूल, ब्रिटिश स्कूल, सलवान पब्लिक स्कूल, कैम्ब्रिज स्कूल प्रमुख हैं। सभी स्कूलों में स्थानीय पुलिस के अलावा डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दल और दमकल अधिकारी पहुंचे। खबर लिखे जाने तक तलाशी अभियान जारी है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ई-मेल में लिखा है-₹मैंने (स्कूल) इमारतों के अंदर कई बम लगाए हैं।

महिंद्रा समूह का सौर ऊर्जा प्रभाग राजस्थान में 11,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा

- आनंद महिंद्रा ने राजस्थान की बावड़ियों को इनोवेशन का अद्भुत उदाहरण बताया

एजेंसी

जयपुर। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने सोमवार को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट के उद्घाटन सत्र में राजस्थान की बावड़ियों को इनोवेशन का अद्भुत उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि महिंद्रा समूह का सौर ऊर्जा प्रभाग राजस्थान में 11,000 करोड़ रुपये का निवेश करने को प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे सोलर डिवीजन ने राजस्थान में 1.1 गीगावाट से अधिक क्षमता स्थापित की है और हम अतिरिक्त 2.8 गीगावाट क्षमता हासिल करने के लिए 11,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का संकल्प जता चुके हैं। महिंद्रा ने अपने संबोधन की शुरूआत 'खम्माघणी' से करते हुए कहा कि आज जयपुर पहुंचते ही मेरे मन में राजस्थान की बावड़ियों की तस्वीर उभर आई। ये बावड़िए इनोवेशन के सबूत हैं। इससे राजस्थान के लोगों की खासियत पता चलती है। राजस्थान के इनोवेटिव लोग देश ही नहीं, विदेशों में भी आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हैं। राजस्थान के इतिहास में देखें तो लोग पानी को बचाने के लिए किस तरह के नए प्रयोग करते थे। पानी को साफ करना और वातावरण को ठंडा रखने के सभी काम एक साथ करते थे। उन्होंने कहा कि हमारी कंपनी का इतिहास राजस्थान से लम्बे समय से जुड़ा है। जयपुर में महिंद्रा ट्रैक्टर बनाने की शुरूआत 2002 में हुई थी।

हैती में जादू-टोने का शक: गैंगस्टर ने 110 बुजुर्गों को चुन-चुनकर मौत के घाट उतारा

एजेंसी

पोर्ट ओ प्रिंस। हैती में जादू-टोने के शक में सौ से ज्यादा लोगों की हत्या का मामला सामने आया है. नेशनल ह्यूमन राइट डिफेंस नेटवर्क ने बताया कि हैती के सिटे सोलेइल स्लम में वीकेंड में करीब 110 लोगों की हत्या कर दी गई। हत्या तब हुई, जब एक गिरोह के नेता ने उन बुजुर्ग लोगों को निशाना बनाया, जिन पर उसे शक था कि जादू-टोना के जरिए उसके बच्चे की बीमारी की वजह वे ही हैं। मोनेल मिकानो फेलिक्स नाम के गिरोह का नेता अपने विव अंसनम ग्रुप के साथ मिलकर इस नरसंहार के लिए जिम्मेदार था। फेलिक्स के बच्चे के बीमार होने के बाद, उसने एक वूडू प्रीस्ट (तांत्रिक) से सलाह मांगी, जिसने इलाके के बुजुर्ग लोगों पर जादू-टोने के जरिए बच्चे को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। इसके बाद फेलिक्स ने नरसंहार का आदेश दिया। इसमें कहा गया है कि गिरोह के सदस्यों ने शुक्रवार को करीब 60 लोगों और शनिवार को 50 लोगों की हत्या चाकू और छुरे से की, जिनमें से सभी की उम्र 60 साल से ज्यादा थी। राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के बंदरगाह के पास घनी आबादी वाली बस्ती, साइट सोलेइल, हैती के सबसे गरीब और सबसे हिंसक इलाकों में से एक है। मोबाइल फोन के उपयोग पर बैन सहित गिरोहों पर सख्त कंट्रोल की वजह से निवासियों की नरसंहार के बारे में जानकारी साझा करने की क्षमता को सीमित कर दिया गया।

रूस में भारत को मिला समुद्र का नया प्रहरी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट तुशील

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस के कलिनिनग्राद में सोमवार को भारतीय नौसेना को समुद्र का नया प्रहरी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'तुशील' मिल गया। कमीशनिंग समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी के साथ शामिल हुए। आईएनएस तुशील भारत के पश्चिमी समुद्री बेड़े के ह्यस्वॉर्ड आर्मड्ढ का हिस्सा होगा और दुनिया में सबसे अधिक तकनीकी रूप से उन्नत फ्रिगेट में शुमार हो जाएगा। यह न केवल भारतीय नौसेना की बढ़ती समुद्री क्षमताओं का प्रतीक है, बल्कि

भारत-रूस साझेदारी का प्रमाण भी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तीन दिवसीय रूस यात्रा पर मॉस्को गए हैं, जहां भारतीय राजदूत विनय कुमार और रूसी उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया। यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे। वह अपने रूसी समकक्ष रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ 10 दिसंबर को रक्षा सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर भारत-रूस अंतर-सरकारी सैन्य-तकनीकी सहयोग आयोग (आईआर आईजीसी-एमएंडएमटीसी) बैठक की सह अध्यक्षता करेंगे।

सैंटा क्लॉज के असली चेहरे को फिर से बनाने का दावा

- संत निकोलस ही डच लोक कथा के सिंटरक्लास के पीछे की प्रेरणा बने, जो बाद में आधुनिक सैंटा क्लॉज में परिवर्तित हो गया

एजेंसी

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने पहली बार आधुनिक तकनीक और फोरेंसिक अनुसंधान की मदद से सैंटा क्लॉज के असली चेहरे को फिर से बनाने का दावा किया है। संत निकोलस 4वीं शताब्दी के एक ईसाई बिशप थे, जो तुर्की के मायर में रहते थे। उन्हें उनके परोपकारी स्वभाव और लोगों, विशेष रूप से बच्चों, को तोहफे देने की परंपरा के लिए याद किया जाता है। संत निकोलस ही डच लोक कथा के सिंटरक्लास के पीछे की प्रेरणा बने, जो बाद में आधुनिक सैंटा क्लॉज में परिवर्तित हो गया। हालांकि, उनके जीवन की कहानियों के बावजूद, अब तक उनकी असली तस्वीर या चेहरा किसी को नहीं पता था। शोधकताओं ने इस रहस्य को हल करने के लिए संत निकोलस की खोपड़ी के संरक्षित अवशेषों का अध्ययन किया। खोपड़ी के 3डी स्कैन और एनाटोमिकल डीफॉर्मेशन तकनीक का उपयोग करके, वैज्ञानिकों ने उनके चेहरे का एक विस्तृत मॉडल तैयार किया।

सूडान में ईंधन स्टेशन पर हुई बमबारी में 28 की मौत, 37 घायल

एजेंसी

खार्तूम। सूडान की राजधानी खार्तूम के दक्षिण में एक ईंधन स्टेशन पर बमबारी में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 37 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी एक स्वयंसेवी समूह और स्थानीय मीडिया ने दी। रिपोर्ट में बताया कि मायो इलाके के पास नए मार्केट 6 में स्थित अमोनिया ईंधन स्टेशन पर बम गिराया गया। यह बशीर हॉस्पिटल के उत्तर में स्थित है और इससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ। घायलों में 29 लोग झुलस गए हैं, जिनमें से 3 गंभीर रूप से झुलसे हैं। इसके अलावा, 8 लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद चिकित्सा सेवाएं प्रभावित लोगों की मदद में जुटी हुई हैं। स्वयंसेवी समूह ने घायलों के इलाज के लिए अतिरिक्त चिकित्सा सहायता प्रदान करने की अपील की है। रिपोर्ट में अमोनिया ईंधन स्टेशन पर हुई बमबारी में 28 लोगों के मारे जाने और 37 के घायल होने की पुष्टि की है। अब तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। बता दें अप्रैल 2023 से सूडान में सूडानी सशस्त्र बलों और रैपिड सपोर्ट फोर्सेस के बीच चल रहे संघर्ष ने देश को विनाशकारी स्थिति में पहुंचा दिया है। इस हिंसा में अब तक 27,120 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और 1.4 करोड़ से ज्यादा लोग घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा-अब सीरिया के पास बेहतर भविष्य का अवसर

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया में लंबे सशस्त्र संघर्ष के बाद राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन पर संयुक्त राष्ट्र ने खुशी जताई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने तानाशाही शासन के अंत का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ₹14 साल के क्रूर युद्ध और तानाशाही शासन के अंत के बाद सीरियाई लोगों के पास एक स्थिर और शांतिपूर्ण भविष्य बनाने का ऐतिहासिक अवसर है।₹अरबी न्यूज वेबसाइट '+963' ने सीरिया के बदले घटनाक्रम पर क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया को तरजीह दी है। वेबसाइट के अनुसार, अल-कायदा समर्थित आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम और तीन विपक्षी गुटों ने रविवार भोर राजधानी राजधानी दमिश्क पर नियंत्रण कर राष्ट्रपति को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया। सऊदी अरब सीरिया के नागरिकों की पसंद के साथ सऊदी अरब ने सीरियाई लोगों की सुरक्षा के लिए उठाए गए सकारात्मक कदमों पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। उसने जोर देकर कहा कि वह इस महत्वपूर्ण अवसर पर सीरियाई लोगों और उनकी पसंद के साथ खड़ा है। सऊदी अरब ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सीरिया के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किए बिना उसके साथ खड़े होने का आह्वान किया। बेल्जियम ने कहा-अच्छा हुआबेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीरिया में अच्छा हुआ कि असद के असंवैधानिक शासन का अंत हो गया। सीरिया के भविष्य के लिए एक शांतिपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया का होना महत्वपूर्ण है। मंत्रालय ने आग्रह किया कि सीरिया के लोगों के साथ न्याय हो। गुटेरेस ने कहा-यह ऐतिहासिक अवसर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सीरिया में तानाशाही शासन के अंत का स्वागत किया।

महाकुम्भ में पहली बार फायर फाइटिंग बोट्स बनेंगी संगम की प्रहरी

- संगम क्षेत्र समेत समूचे प्रयागराज के तटों पर अग्नि जनित दुर्घटनाओं को रोकने में सहायक सिद्ध होंगी फायरबोट-देश में पहली बार होगा फायर बोट का इस्तेमाल, महाकुम्भ में 6 फायरबोट्स को घाटों पर किया जाएगा डिप्लॉय-1.38 करोड़ के बजट से खरीदी जा रहीं 6 फायरबोट-फायरबोट के जरिए रिमोट कंट्रोल्ड रोबोट का भी होता है इस्तेमाल

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में महाकुम्भ को लेकर अग्निशमन व आपात सेवा विभाग भी मेला क्षेत्र को अग्नि दुर्घटना मुक्त क्षेत्र बनाने के प्रयासों में कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में देश में और कुम्भ के इतिहास में पहली बार महाकुम्भ में 6 फायरबोट्स के संचालन की तैयारी पूरी कर ली गई है। इन फायरबोट्स को मेला क्षेत्र के घाटों किनारे मुस्तैद रखा जाएगा। यह फायर फाइटिंग बोट्स न केवल नदियों किनारे घाटों पर होने वाली अग्नि जनित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए क्विक रिस्पॉन्स प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सहायक होंगी, बल्कि जोखिम से भरे फायर ऑपरेशंस को अंजाम देने के साथ ही अग्निरक्षकों की सुरक्षा के लिए भी कवच के तौर पर कार्य करेंगे। दिसम्बर के अंतिम सप्ताह तक होगी डिप्लॉयमहाकुम्भ को अग्नि दुर्घटना रहित क्षेत्र बनाने के लिए विभाग को 66.75 करोड़ का बजट आवंटित हुआ है। जबकि विभागीय बजट 64.73 करोड़ है। इस प्रकार, कुल 131.48 करोड़ रुपए की लागत से वाहन व उपकरणों को महाकुम्भ मेला में अग्नि जनित दुर्घटनाओं से सुरक्षा के लिए डिप्लॉय किया जा रहा है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी और महाकुम्भ के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि इन 6 फायर फाइटिंग बोट्स के लिए विभाग 1.38 करोड़ रुपए खर्च कर है। दिसम्बर के अंतिम सप्ताह में इनको संगम समेत अन्य तटों पर डिप्लॉय कर दिया जाएगा। फायर फाइटिंग रोबोट भी होता है बोट पर तैनातउन्होंने बताया कि फायर फाइटिंग बोट्स को अपने क्विक रिस्पॉन्स, नदियों में तेजी से नेविगेशन की क्षमता व अग्निशमन की प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा करने के लिए जाना जाता है। खासतौर पर नदियों किनारे घाटों पर अग्निशमन व रेस्क्यू ऑपरेशंस को तेजी से पूरा करने में फायरबोट काफी कारगर है।

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ढाका पहुंचे

एजेंसी

ढाका। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने आज यहां अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जशीमुद्दीन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की आज रात नई दिल्ली लौटने से पहले अंतरिम सरकार के प्रमुख से भी मिलने का कार्यक्रम है।बीडीन्यूज24डॉटकॉम के अनुसार बांग्लादेश में हालिया राजनीतिक उथल-पुथल के बाद पहली उच्च स्तरीय बैठक में भारत और बांग्लादेश के विदेश सचिवों ने तनाव को कम करने की उम्मीद में ढाका में बातचीत शुरू की। बैठक सोमवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे राज्य अतिथि गृह पदमा में शुरू हुई। द्विपक्षीय विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) बैठक के लिए बांग्लादेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश सचिव मोहम्मद जशीमुद्दीन और भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने किया। बीएसएस न्यूज पोर्टल के अनुसार भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों के बीच सचिव स्तर की वार्ता में भाग लेने के लिए आज सुबह भारतीय वायु सेना के विमान से यहां पहुंचे। ढाका पहुंचने पर मिस्री का स्वागत बांग्लादेश विदेश मंत्रालय की महानिदेशक (दक्षिण एशिया प्रभाग) इशरत जहां ने किया।

जर्मनी को 2040 तक हर साल चाहिए लाखों विदेशी वर्कर्स

भारतीयों को कैसे मिलेगी जॉब का मौका

जर्मनी में आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है, जिस वजह से काम करने वाले लोगों की संख्या भी घटती जा रही है। ऐसे में जर्मनी को अपने यहां विदेशी कामगारों की जरूरत है। भारत से भी लोग जर्मनी में जाकर काम कर सकते हैं और देश की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। जर्मनी में काम करने वाले लोगों की आबादी तेजी से कम हो रही है, जिस वजह से अब देश को बड़ी संख्या में प्रवासियों की जरूरत है, ताकि लेबर फोर्स को बरकरार रखा जा सके। बर्टेल्समैन स्टिफटंग की एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जर्मनी की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रवासियों की भूमिका बहुत ज्यादा अहम है। आसान भाषा में कहें तो विदेशी लोगों के लिए अब जर्मनी में नौकरी पाना आसान हो जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2040 तक जर्मनी को हर साल औसतन 2,88,000 प्रवासी कामगारों की जरूरत होगी। इससे देश में काम करने वालों की संख्या स्थिर रहेगी। अगर जर्मनी में महिलाओं और बुजुर्गों की कामकाजी भागीदारी में इजाफा नहीं होगा, तो हर साल 3,68,000 प्रवासियों की जरूरत पड़ेगी। 2000 के दशक की शुरुआत में जर्मनी में हर साल औसतन कम प्रवासियों को एंट्री मिलती थी। लेकिन पिछले दशक में सीरिया और यूक्रेन में संघर्षों की वजह हर साल लगभग 6,00,000 प्रवासी जर्मनी आए।

लेबर मार्केट पर बढ़ता दबाव

जर्मनी की बूढ़ी होती आबादी आने वाले साल में बड़ी संख्या में रिटायर होने वाली है। इसमें बेबी बूमर (1946 से 1964 के बीच पैदा हुए लोग) जनरेशन में पैदा हुए लोग शामिल हैं। इस वजह से जर्मनी में काम करने वाली आबादी में बड़ी गिरावट होगी। अगर इस समस्या के समाधान को नहीं ढूंढा गया तो देश की आर्थिक विकास दर धीमी हो जाएगा। ऐसा होने पर जर्मनी की अर्थव्यवस्था पर भी सीधा असर दिखेगा।

बर्टेल्समैन स्टिफटंग में प्रवासन विशेषज्ञ सुजैन शुल्त्स ने ब्लूमबर्ग को बताया, फ्रबेबी बूमर्स के रिटायर होने से आने वाले सालों में लेबर मार्केट के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा होंगी। भविष्य में श्रम की मांग को पूरा करने के लिए इमिग्रेशन जरूरी है, भले ही देश की वर्कफोर्स की भागीदारी अधिकतम हो।फ्र आसान भाषा में कहें तो जर्मनी को अपने नागरिकों को काम पर रखने के अलावा अब विदेशी लोगों को भी नौकरी देनी पड़ेगी।

जर्मनी में कैसे नौकरी पाएं?

जर्मनी में हुए लेबर शॉर्टेज की वजह से भारतीयों के पास सुनहरा मौका है कि वे यूरोप के इस देश में जाकर नौकरी कर पाएं। जर्मनी में नौकरी ढूंढना का सबसे आसान तरीका ऑनलाइन जॉब पोर्टल हैं, इन पर वे नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। नौकरी ढूंढने के लिए नेटवर्किंग भी की जा सकती है। जर्मनी में कई सारी कंपनियां लोगों को नौकरी पर रखने के लिए रिक्रूटमेंट एजेंसी की मदद लेती हैं, आप इनसे संपर्क कर नौकरी पा सकते हैं।

बेहतर करियर चाहिए तो इन बातों का रखें ध्यान, कामयाबी कदम चूमेगी!

एक अच्छा करियर ऑप्शन बेहतर भविष्य की सीढ़ी की तरह होता है. अच्छे परफॉर्मेंस की रेस और बोर्ड परीक्षा में स्कोर करने के लिए एक छात्र को कितनी मेहनत करनी पड़ती है, इसका फल तभी मिलेगा जब वह सही करियर का रास्ता चुने, लेकिन इसे कैसे किया जाए, यह एक बड़ा सवाल बन जाता है. आइए आज हम आपको ऐसे जरूरी टिप्स के बारे में बता रहे हैं जो 12वीं क्लास पास करने के बाद एक बेहतर करियर विकल्प चुनने में आपकी मदद कर सकते हैं.

सोचकर रिसर्च करें

12वीं क्लास के बाद अपना करियर चुनने से पहले अपनी रूचि पर ध्यान दें. अब जब आपकी बोर्ड परीक्षा खत्म हो चुकी है, तो उस विशेष विषय के बारे में सोचें जो आपको सबसे ज्यादा पसंद हो. आप साइंस स्ट्रीम, कॉमर्स या ह्यूमैनिटीज में हो सकते हैं लेकिन एक ऐसा विषय होना चाहिए जिसे आप खुद से पढ़ते हों, उस एक विषय को ढूंढते हैं और जानकारी जुटाते हों. सबसे पहले उस विषय के बारे में सोचें और तब भविष्य में उस ऑप्शन के स्कोप पर विचार करें और रिसर्च करें.

सलाह भी जरूरी है

अगर आप किसी खास विषय में करियर बनाने का मन बना रहे हैं. उस विषय में आगे बढ़ने से पहले अपने माता-पिता, दोस्तों, आस-पड़ोस के शिक्षित लोगों और अपने टीचर से बात करें. उनकी सलाह ले सकते हैं. जो भी डाउट्स हैं उन्हें क्लियर करें और तब करियर का चुनाव करें.

कोर्स से जॉब तक के लिए मार्केट रिसर्च करें

करियर का चुनाव करने से पहले मार्केट रिसर्च अच्छा ऑप्शन है. आप जिस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, उसके बारे में पूरी जानकारी ले लें जैसे उसकी पढ़ाई कहां-कहां से हो सकती है, कहां कितनी फीस ली जा रही है, उस कोर्स के बाद क्या और कहां जॉब ऑप्शन्स हैं, फ्यूचर में इसका कितना स्कोप है आदि.

भेड़ चाल से बचें

अकसर छात्र दोस्तों या परिवार के किसी सदस्य से इन्फलुएंस होकर %भेड़ चाल% यानी दोस्तों के पीछे-पीछे बेहतर करियर की तलाश में निकल पढ़ते हैं. कई बार ये आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है लेकिन इससे अच्छा है कि आप खुद पर विश्ववास रखें और अपनी योग्यता, क्षमता, रूचि और ज्ञान के आधार पर सही करियर का चुनाव करें.

पसंद-नापसंद की लिस्ट बनाएं

उन चीजों की लिस्ट बनाएं जिन्हें आप पसंद और नापसंद करते हैं. उदाहरण- आपको कौन से विषय सबसे ज्यादा पसंद हैं, क्या आप आर्ट्स में रुचि रखते हैं, क्या आप साहसी हैं, क्या आप कंप्यूटर और प्रोग्रामिंग आदि में रुचि रखते हैं. अपनी पसंद और नापसंद के आधार पर अपने लिए सही करियर चुनें.

शॉर्ट-टर्म कोर्स कर सकते हैं

अगर आप किसी विषय में परफेक्ट हैं और उसी से संबंधित फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो शॉर्ट टर्म कोर्स भी अच्छा ऑप्शन है. इन दिनों कई टॉप कॉलेज छात्रों के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स में एडमिशन देते हैं. आपको सिर्फ थोड़ा सर्च करने की जरूरत है.

छोटे बच्चे सोने से पहले क्यों रोते हैं

जब बच्चे अक्सर सोने से पहले घंटों तक रोते रहते हैं, तो ऐसे में कई माता-पिता को यह पता नहीं होता है कि उनका बच्चा क्यों इतना रो रहा है और उनको क्या करना चाहिए। आप पूरे दिन अपने बच्चे की देखभाल करते-करते थक जाती हैं और ऐसे में जिस एक पल आपको सोने का मौका मिलता है आप कुछ देर के लिए नैप ले लेती हैं, लेकिन इस मामले में आपका बच्चा आपके जैसा बिलकुल नहीं है। बच्चे ने अपना सारा समय आपके गर्भ में बिताया होता है, जहां उसके लिए सब कुछ अपने आप उसके हिसाब से होता गया था। इसलिए, इस बात का ध्यान रखना हमारा फर्ज है कि बच्चे को बाहर भी एक सुरक्षित और आरामदायक माहौल मिले जिसके लिए आपको अधिक प्रयास करने की जरूरत पड़ेगी।

आखिर सोने से पहले छोटे बच्चे क्यों रोते हैं?

वैसे तो बच्चे कई कारणों से रो सकते हैं, लेकिन उनमें से कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं जो उन्हें परेशान करते हैं, खासकर जब वह सोने का प्रयास करते हैं।

1. रात में नींद आने असमर्थता

कई शिशुओं को देखकर ऐसा बिलकुल नहीं लगता है कि उनके साथ कोई भी परेशानी है। हालांकि, वे हर बार रात को सोते समय रोने लगते हैं। यह आमतौर पर 3 महीने से कम उम्र के बच्चों में दिखाई देता है। रोना उनके शरीर की स्लीप साइकिल की आदत का एक रिएक्शन है क्योंकि यह शुरुआत में उनके लिए सामान्य नहीं होता है। दिल से लेकर ब्लैडर और डाइजेस्टिव सिस्टम तक कई शारीरिक अंग और प्रक्रियाएं होते हैं, जिन सभी को शरीर की नींद प्रणाली के अनुरूप होना चाहिए। जन्म के 3 महीने पूरे होने के बाद बच्चे के शरीर को धीरे-धीरे उसकी आदत होने लगती है।

2. किसी तरह की शारीरिक परेशानी होना

बच्चों के लिए रोना उनकी बात दूसरों तक पहुंचाने का एकमात्र तरीका है, यही वजह है कि वे हर बार रोने लगते हैं जब भी उन्हें कुछ बताना होता है। और कई बार, जब उन्हें परेशानी या असहजता महसूस होती है तब भी वो ऐसा कर सकते हैं। इसके अलावा यदि उनकी सोने की जगह का माहौल अनुकूल नहीं है तो वे रोने लगेंगे। साथ ही अगर बच्चे को सर्दी या गर्मी लग रही हो तब भी रोएंगे। बच्चों के दांतों का विकास रात के समय में ही ज्यादातर होता है, जिसकी वजह से उनको अधिक दर्द होता है। यही नहीं कभी-कभी डायपर में पॉटी करने या टाइट कपड़े पहनने से भी बच्चों को जलन होती है और तकलीफ के कारण वो रोना शुरू कर देते हैं।

3. जुड़ाव का प्रयास

एक और अहम कारण है जिससे बच्चा सोने के ठीक समय पर रोना शुरू कर देता है, जिसका सीधा संबंध उसके व्यवहार से अधिक होता है। अटेंशन पाने की उसकी जरूरत और सामाजिक संपर्क बनाने के कारण वह जोर-जोर से रोते हुए आपसे बात करने की कोशिश करता है। कुछ बच्चे यह जानते हैं कि सोने के समय का मतलब यह है कि वे अपनी माँ को अब नहीं देखेंगे, जिसके कारण वे रोने लगते हैं। बच्चे जो दिन भर खेलने के बाद थक जाते हैं या जिनमें बहुत अधिक एनर्जी होती है, उनको रात की शांति नहीं भाती है। किसी तरह की बीमारी या भूख भी उन्हें जगाए रखती है या सोने से पहले थोड़ी देर खेलने के लिए उसको आपकी जरूरत होती है।

रोते हुए छोटे बच्चे को शांत करने के टिप्स

जब छोटा बच्चा रोता है खासकर सोने के वक्त तब उसको शांत कराने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत उसके माता-पिता की होती है। यहां कुछ टिप्स दिए गए हैं जो ज्यादातर समय सभी प्रकार के बच्चों पर काम करती हैं।

1. बच्चे के अनुकूल वातावरण बनाएं

बच्चे को आसानी से सुलाने के लिए, उसके कमरे में तापमान ऑप्टिमम लेवल पर होना चाहिए। यह आपके बच्चे के पेट या उसकी पीठ के आसपास के तापमान की जांच करके बहुत अच्छी तरह से पहचाना जा सकता है। मौसम के हिसाब से उसके लिए कपड़े चुनें और उसी के अनुसार उसे पहनाएं। सर्दियों में भी उसे कंबल में लपेटने से बचें, क्योंकि ऐसा करने से उसका दम भी घुट सकता है और एसआईडीएस हो सकता है। सर्दियों के दौरान उन्हें गर्मी पहुंचाने का प्रयास करें और गर्मियों में हवा बनाए रखने के लिए हल्के पंखे का उपयोग करें।

2. बच्चे को सुलाने से पहले अच्छी तरह से स्वैडल करें

नींद में भी, आपके बच्चे को सुरक्षित महसूस कराने की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह जैसे उसे माँ द्वारा गले लगाया और पकड़ा जाता है। ऐसा महसूस कराने के लिए बच्चे को आमतौर पर एक हल्के कंबल में लपेटा जाता है। यह बच्चे के किसी भी तरह के मूवमेंट, खासकर पैरों की गति को नियंत्रण में रखने में भी मदद करता है, जो गलती से उसे नींद से जगा सकता है। हल्के मलमल के कपड़े में उसे इस तरह लपेटें कि उसकी ठुड्डी, कान और सिर खुले रहें। छोटे बच्चों के लिए बने स्लीपिंग बैग को चुनना भी एक अच्छा विकल्प है।

3. सोने के लिए सही कपड़े चुनें

बच्चे अपनी छोटी से छोटी पसंद के प्रति हद से ज्यादा सेंसिटिव होते हैं। यहां तक ???कि उनमें थोड़ी सी भी गड़बड़ी होना, उनका सोना मुश्किल कर देती है। ऐसे में बच्चे के कपड़े एक अहम भूमिका निभाते हैं और उन्हें उचित रूप से चुनना जरूरी है। आप दिन में बच्चे को फिटिंग के कपड़े पहना सकती हैं, लेकिन रात में सोते समय उसे ढीले-ढाले कपड़े ही पहनाएं। लेकिन चुने हुए कपड़े ढीले होने के साथ इतने मोटे भी होने चाहिए कि उसे गर्माहट और कंफर्ट के साथ रखा जा सके। सिर को कवर तब तक न करें जब तक कि वह बीमार न हो क्योंकि वे इससे काफी असहज महसूस कर सकते हैं या उनकी नींद में खलल पड़ सकता है। ऐसे किसी भी कपड़े से दूर रहें जिसमें फीते या तार हों जो आपके बच्चे के मुंह में जा सकें।

यह जानने के बाद कि आखिर में बच्चे रात को सोने से पहले क्यों रोते हैं, आपको इससे कैसे निपटना है, इसमें बहुत मदद मिली होगी और आपको अपने बेबी के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। ज्यादातर बच्चे 4 से 6 महीने की उम्र तक रात में लंबे समय तक सोने लगते हैं और उनका रोना भी कम होने लगता है। यदि इन टिप्स के बाद भी बच्चे का रोना अनियंत्रित रूप से जारी रहता है, तो आपको उसे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।

बारहवीं के बाद बेहतर करियर कैसे खोजें

हर साल बारहवीं के बाद करियर संवारने के सैकड़ों हजारों मौके हमारे पास आते हैं लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि अक्सर हमारी काबिलियत क्या है। हम क्या और किस क्षेत्र में बेहतर कर सकते हैं। हमारे लिए कौन सा विषय अच्छा रहेगा। हम किस तरह अपनी रूचि के विषय को अपने ड्रीम करियर तक पहुंचने का जरिया बना सकते हैं।

स्कूली शिक्षा 12वीं में ही खत्म हो जाती है। ये उम्र का वो पड़ाव होता है जहां स्टूडेंट्स अपने ड्रीम करियर के सपनों की तलाश में नौजवान निकल पड़ते हैं। इसके बाद युवा कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज का रूख करते हैं। बारहवीं के बाद अगर हमें अपने करियर गोल्स को पाने के लिए एक ठोस रणनीति की आवश्यकता होती है। बिना स्ट्रेटेजी के आगे बढ़ने से करियर में समस्याएं आ सकती हैं। अब देश में नई शिक्षा नीति के हिसाब से ग्रेजुएशन और अन्य कोर्सेज चल रहे हैं। इसके अनुरूप प्रवेश और कोर्स की अवधि वगैरह भी बदली हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि कॉलेजों में एडमिशन लेते वक्त अच्छे से सोच-समझ कर फैसला लिया जाए। अब मल्टीपल एंट्री और एग्जिट है।

ग्रेजुएशन करने के दौरान अगर लगता है कि फर्स्ट ईयर के बाद ही कहीं नौकरी लग जाती है तो सर्टिफिकेट लेकर नौकरी में जा सकते हैं। बाद में कभी भी सेकंड ईयर में दाखिला लिया जा सकता है। इसी तरह सेकंड और थर्ड ईयर में भी होगा। बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के बाद हमारे लिए पूरी दुनिया में बहुत से ऑप्शन खुले होते हैं। बहुत से प्रतिष्ठित संस्थानों में ऑल इंडिया एंट्रेंस की स्कोरिंग के आधार पर एडमिशन होते हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अनेक विषयों में उच्च शिक्षा के अच्छे कोर्स उपलब्ध होते हैं। इन संस्थानों में न सिर्फ अच्छा अकादमिक माहौल होता है बल्कि यहां कई तरह की कोचिंग, र्स्पोट्स और अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं। सबसे अच्छी बात है कि इन यूनिवर्सिटीज में फीस बहुत ही कम होती है। देश के अधिकांश केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के जरिए एडमिशन हो रहे हैं।

·¤çÚUØÚU ×´˜ææ ¥æ UÅUÚU S·¤êÜ

• अपने करियर ऑब्जेक्टिव क्लियर रखें।
• अपने कोर्स सिलेक्शन पर फोकस करें।
• कॉलेज या यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने के लिए अच्छे से रिव्यू करें।
• ग्रेजुएशन में इंटर्नशिप जरूर करें।
• फाइनल ईयर में स्पेशलाइजेशन सब्जेक्ट का सलेक्शन बहुत ध्यान से करें।
• सीनियर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स से लिंक बनाए रखें।

दरअसल हमें बारहवीं के बाद तुरंत ही अगर कुछ अच्छा करियर पाना है तो हम करियर ओरिएंटेड स्टडी पर फोकस करें। ध्यान रखें कि हम डॉक्टर बनना चाहते हैं या आर्किटेक्ट, डिफेंस सर्विसेज में जाना चाहते हैं या सिविल सर्विसेज में अपना भविष्य तलाशना चाहते हैं, सभी के लिए हमें एक अच्छा से इंस्टिट्यूट और कोर्स में एडमिशन तो लेना होगा। यहां ध्यान देने की जरूरत है कि इंजीनियरिंग, लॉ, फैशन डिजाइनिंग, आर्किटेक्चर, मैनेजमेंट, सोशल साइंसेज, मेडिकल और मैथ्स, स्टैटिक्स, एग्रीकल्चर, इकोनॉमिक्स तथा साइंस आदि विषयों में देशभर में अलग-अलग तरह के टेस्ट होते हैं। इनमें अच्छा स्कोर करने से ही हमें अपनी पसंद के किसी अच्छे कॉलेज या यूनिवर्सिटी में एडमिशन मिल सकता है।

एक्सप्लोरेशन एंड कलेक्शन

• देशभर में यूनिवर्सिटीज में अब नई शिक्षा नीति एनईपी के तहत कोर्स चल रहे हैं।
• सब्जेक्ट्स का कॉम्बिनेशन और अपनी रुचियों को ध्यान में रखें।
• कोर्सेज के फ्यूचर को लेकर एक्सपर्ट्स की सलाह जरूर लें।
• स्टडीज के लिए विदेश जाना है तो वहां के इंस्टीट्यूट की जानकारियां जुटाने में सरकारी वेबसाइट्स की मदद लें। एक बात यह भी है कि बारहवीं के बाद एविएशनए हास्पिटैलिटी, रिटेल बिजनेस, सेक्रेटियल प्रैक्टिस एंड ऑफिस मैनेजमेंट, वोकेशनल एजुकेशन जैसे ऑ?शंस भी करियर के नये और अच्छे विकल्प खोलते हैं। हमारे आस-पास ही कई इंस्ट्टियूट्स होते हैं जो इस तरह के सब्जेक्ट्स में स्टडीज के ऑ?शंस देते हैं इसलिए यह कतई जरूरी नहीं कि अब आपको कुछ नया कोर्स करने के लिए अपने कस्बे या शहर से बहुत दूर जाकर ही पढ़ाई करने की जरूरत है। आसपास के कॉलेज या यूनिवर्सिटी में जाकर आप पता करेंगे तो वहां पर भी आपकी पसंद का कोई अच्छा कोर्स आपको मिल सकता है।

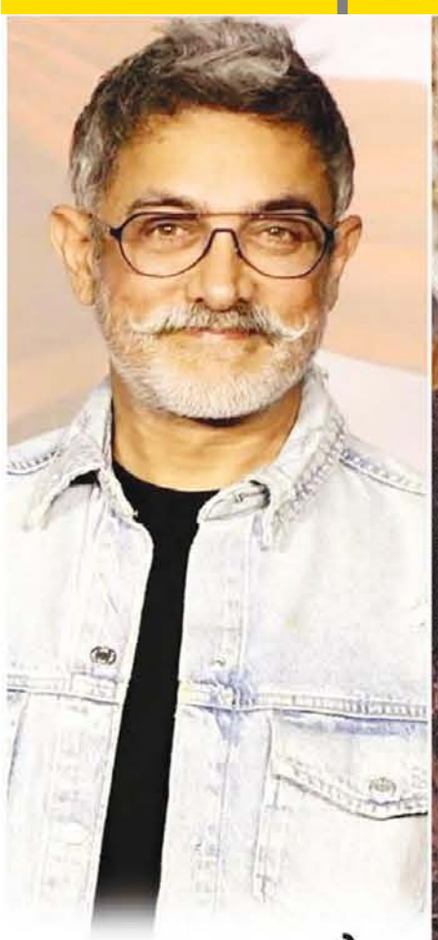

शाहरुख खान और सलमान खान के साथ फिल्म करना चाहते हैं आमिर खान

शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान को उनके प्रशंसक एक साथ स्क्रीन साझा करते हुए देखना चाहते हैं। आमिर खान ने अपने एक इंटरव्यू के बारे में बात की। आमिर ने दोनों अभिनेताओं के साथ लगभग छह महीने पहले एक साथ फिल्म करने के बारे में हुई बातचीत को साझा किया और कहा कि वे सही स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे हैं।

एक साथ नजर आ सकते हैं तीनों खान

आमिर खान ने इस बारे में की बात में कहा, ठीक है, लगभग छह महीने पहले, शाहरुख, सलमान और मैं एक साथ थे और हमने इस बारे में बात की थी। वास्तव में, मैं ही वह व्यक्ति था जिसने इस मुद्दे को उठाया। मैंने शाहरुख और सलमान से कहा कि अगर हम तीनों एक साथ फिल्म नहीं करते हैं तो यह वास्तव में दुखद होगा।

सलमान और शाहरुख के साथ करना है काम

आमिर खान ने कहा, मुझे लगता है सलमान खान और शाहरुख खान इस प्रस्ताव को मान चुके हैं। उन्हें भी लगा कि जरूर हमें करना चाहिए। हालांकि, इसके लिए हमें एक अच्छी कहानी चाहिए। हमें एक अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार है, हालांकि हम तीनों भी काम करने के लिए उत्साहित हैं।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में बोले आमिर

ऐसा पहली बार हुआ जब आमिर खान ने शाहरुख खान और सलमान खान के साथ काम करने की बात की। हाल ही में द ग्रेट इंडियन कपिल शो में भी आमिर खान ने कहा था कि आपकी और मेरी थिंकिंग बिल्कुल सेम है। मैं हाल ही में शाहरुख खान और सलमान खान से मिला।

दर्शकों के लिए कही ये बात

हम तीनों एक ही इंडस्ट्री में इतने सालों से हैं और ये ऑडियंस के लिए काफी गलत हो जाएगी की करियर के इस दौरान अगर हम साथ में एक फिल्म न करें, एक फिल्म तो बनती है। अगर हमने साथ में फिल्म नहीं की तो ये प्रशंसकों के लिए भी ठीक नहीं रहेगा।

आमिर खान की बेटी आयरा खान ने इसलिए नहीं चुना अभिनय का करियर

आमिर खान की बेटी आयरा खान अपनी शादी के बाद से काफी चर्चा में हैं। आयरा ने अब अपने करियर को लेकर बात की है। आयरा ने बताया कि वे फिल्म में कभी आना ही नहीं चाहती थीं। आयरा खान ने अपने और अपने गैर-लाभकारी मानसिक स्वास्थ्य संगठन के बारे में जवाब दिए। साथ ही बताया कि उन्होंने अभिनय को करियर के रूप में क्यों नहीं चुना। आमिर खान की बेटी ने कहा, क्योंकि जब आप छोटे होते हैं और कोई आपसे कहता है आपको अभिनेता बनना चाहिए, न?, तो आप कुछ भी करना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है, इसलिए साबित करें कि आप कूल हैं और किसी ऐसे व्यक्ति के पास नहीं जा रहे हैं जो अभिनेता बनना चाहता है। आयरा ने कहा कि उनके अनुसार अभिनेता बनना आसान या मजेदार नहीं है। आयरा ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य रोगियों के साथ काम करना कैसा लगता है क्या उन्हें भी मानसिक कष्टों से गुजरना पड़ता है। इस पर आयरा ने जवाब दिया, रोगियों के साथ काम करना बेहद फायदेमंद है। आयरा ने कहा, रोगियों के साथ काम करना बेहद फायदेमंद है। यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।

आमिर खान भी करते हैं बात

आमिर खान और आयरा अक्सर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के बारे में बात करते रहते हैं। इस बारे में जागरूकता फैलाने के लिए करते रहे हैं। आमिर खान ने कहा, वह अपने रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए अपनी बेटी के साथ संयुक्त थेरेपी सत्र ले रहे हैं। आमिर ने बताया कि यह उनकी बेटी ही थी जिसने उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया और वह अपने जीवन में इसके सकारात्मक प्रभाव देख सकते हैं।

शादी के बाद कुछ यूं जिंदगी बिताना चाहते हैं नागा चैतन्य

अभिनेता नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला ने 4 दिसंबर को पारंपरिक तरीके से हैदराबाद में शादी की। इस दौरान अक्किनेनी परिवार के करीबी दोस्त, रिश्तेदार और फिल्म इंडस्ट्री के कुछ मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। शादी के बाद शुक्रवार को कपल ने आंध्र प्रदेश में श्री भ्रामराम्बा समिता मल्लिकार्जुन स्वामी देवस्थानम मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस बीच नागा चैतन्य अमेजन प्राइम वीडियो के 'द राणा दग्गुबाती शो' के अगले एपिसोड में भी नजर आने वाले हैं। इसके ट्रेलर में अभिनेता को अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए देखा गया। इस दौरान उन्होंने खुलासा किया कि वह शादी के बाद कैसी जिंदगी जीना चाहते हैं?

शादी के बाद कैसी जिंदगी जीना चाहते हैं नागा?

चैट शो में नागा चैतन्य को अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए देखा गया। नागा ने कहा, जब मैं 50 साल का हो जाऊंगा, तो मैं दो बच्चों के साथ खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जीना चाहता हूं, शायद एक या दो। मैं उन्हें रेसिंग और गो-कार्टिंग के लिए ले जाना पसंद करूंगा और अपने बचपन के खास पलों को फिर से जीना चाहूंगा।

साई पल्लवी के साथ काम करने में घबराते हैं नागा

राणा दग्गुबती के इस चैट शो में अभिनेता ने साई पल्लवी के साथ काम करने के अनुभवों को भी साझा किया। वह साई के साथ आगामी फिल्म थंडेल में दिखाई देंगे। इससे पहले भी वह साई के साथ काम कर चुके हैं। अभिनेता ने कहा, मैं उनके (साई पल्लवी) साथ अभिनय और नृत्य करते हुए बहुत घबरा जाता हूं।

विशाल भारद्वाज की फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' में एक साथ दिखेंगे शाहिद कपूर-तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर पहली बार एक साथ स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। दोनों सितारे विशाल भारद्वाज की एक्शन फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' में एक साथ दिखेंगे। अभिनेत्री ने विशाल की यह फिल्म साइन की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का प्री-प्रोडक्शन पहले से ही चल रहा है और यह फिल्म 6 जनवरी, 2025 से फ्लोर पर आने वाली है। कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए एक बड़ा स्टूडियो बनाया गया है, जो इसके विजन को पूरा करने में मदद करेगा। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की इस फिल्म के लिए एक भव्य सेट का निर्माण किया जा रहा है। यह फिल्म स्वतंत्रता के बाद के युग में अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। निर्माताओं की कोशिश है कि इस फिल्म की शूटिंग को जल्द पूरा करके इसे 2025 में ही एक भव्य रिलीज दिया जाए। तृप्ति डिमरी का यह साल काफी शानदार गुजरा। वह अपनी फिल्मों के चलते लगातार ट्रेंड में रहीं। अभिनेत्री ने समीक्षकों और दर्शकों की भी सराहना प्राप्त की। अब वह वर्ष 2025 के लिए कमर कस रही हैं। उनके प्रभावशाली प्रदर्शनों ने उन्हें 'आईएमडीबी' की शीर्ष-रेटेड अभिनेत्रियों में भी स्थान दिलाया है। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने इस साल कई शानदार फिल्में दी। उन्होंने 2024 की शुरुआत कई थिएट्रिकल हिट के साथ की, जिसमें 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो', 'बैड न्यूज' और 'भूल भुलैया 3' शामिल है। अब वह शाहिद कपूर के साथ आगामी फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' से दिल जीतने को तैयार हैं।

जितना सम्मान एक पुरुष अभिनेता को मिलता है, उतना ही महिला अभिनेत्री को भी मिलना चाहिए

अनन्या पांडे को आज इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी फिल्मों और भूमिकाओं से सभी का दिल जीत लिया है। हाल ही में, अनन्या ने वेतन समानता पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी अपने पुरुष अभिनेता की फीस के बारे में नहीं पूछा। हालांकि, उन्होंने खुलासा किया कि जब उन्होंने उन्हें मिलने वाली फीस सुनी तो वह चौंक गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या पांडे ने फीस समानता को लेकर अपने विचार साझा किए और बताया कि ना केवल फीस के मामले में बल्कि फिल्म सेट पर महिलाओं की बाकी चीजों को लेकर भी प्रगति हुई है, लेकिन उन्हें लगता है कि इंडस्ट्री ने एक लंबा सफर तय किया है। अनन्या ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि तब सेट पर महिलाएं कम होती थीं, लेकिन अब सामान्य तौर पर उनकी संख्या काफी अधिक है। अनन्या पांडे ने कहा, अगर किसी पुरुष को मुझसे बेहतर कार सिर्फ इसलिए मिल रही है क्योंकि वह एक पुरुष है, तो यह गलत है। अनन्या ने इस बात पर जोर दिया कि वह पुरुष अभिनेताओं की फीस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही थी, क्योंकि उन्हें उनकी कमाई के बारे में पूरी जानकारी नहीं थी। हालांकि वह कभी-कभी जो आंकड़े सुनती थीं, उससे वह अक्सर चौंक जाया करती थीं। अनन्या ने इस बात का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि जब लिंग-आधारित असमानताओं की बात आती है, जैसे कि किसी पुरुष अभिनेता को आज भी बेहतर विशेषाधिकार प्राप्त हैं। आग अनन्या ने कहा कैसे किसी पुरुष को बड़ा कमरा या बेहतर कार दी जा सकती है, जिसे वह समझ सकती हैं। शायद यह अभिनेता के मान की वजह से किया जाता है, लेकिन उनका मानना है कि अभिनेत्रियों को भी ऐसा ही व्यवहार मिलना चाहिए। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें पुरुष अभिनेताओं की फीस के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह अनुचित व्यवहार के खिलाफ मजबूती से खड़ी हैं। अनन्या का मानना है कि जितना सम्मान एक पुरुष अभिनेता को मिलता है, उतना ही सम्मान एक महिला अभिनेत्री को भी मिलना चाहिए। अनन्या ने आगे कहा कि अगर इसका मतलब बदलाव लाने और सही के लिए खड़े होने में मदद करना है तो वह बॉसी के रूप में पहचाने जाने के लिए तैयार हैं।

काम की बात करें तो अनन्या पांडे के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, जिसमें कॉल मी बे का दूसरा सीजन भी शामिल है। वह धर्मा प्रोडक्शन की चांद मेरा दिल में लक्ष्य के साथ नजर आएंगी और अक्षय कुमार और आर. माधवन के साथ एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में भी नजर आएंगी।

'औरों में कहां दम था' फ्लॉप होगी, मुझे पहले से पता था

फिल्म 'ए वेडनेसडे' के लिए नवोदित निर्देशक का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने वाले नीरज पांडे इन दिनों खूब प्रयोग कर रहे हैं। नीरज हिंदी सिनेमा के उन चुनिंदा निर्देशकों में भी शामिल रहे जिनकी फिल्में लोगों ने सिर्फ उनके नाम की वजह से देखीं। बहुत ही बेबाक किस्म के फिल्मकार रहे नीरज अपनी फिल्मों की आलोचनाओं से भी कतराते नहीं है। सिनेमाघरों में रिलीज उनकी पिछली फिल्म 'औरों में कहां दम था' फ्लॉप रही, उनकी नई फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई।

ऐसा कैसे होता है कि कोई फिल्म ट्रेलर में बेहतरीन नजर आती है और लोग उसे देखने के लिए उत्सुक भी हो जाते हैं, कितनी मेहनत से बनाया आपने 'सिकंदर का मुकद्दर' का ट्रेलर?

सच ये है कि ये ट्रेलर मैंने एडिट नहीं किया। ये मेरी टीम का काम है। ऋषि नाम के हमारे एक सहकर्मी हैं, जिन्होंने इसे एडिट किया है। आज की तारीख में सारी चीजें फिल्म और दर्शकों के बीच के पहले संवाद पर टिकी होती हैं। ये पहला संवाद ट्रेलर की शक्ल में होता है। ट्रेलर देखकर ही लोग तय करते हैं कि वे सिनेमाघर जाएं या फिल्म के ओटीटी पर आने का इंतजार करें।

फिल्म 'औरों में कहां दम था' के तुरंत बाद 'मुकद्दर का सिकंदर' रिलीज हुई है, दोनों पर साथ साथ काम चल रहा था?

नहीं 'मुकद्दर का सिकंदर' की यात्रा काफी लंबी रही है। इस पर काफी समय से काम चल रहा था। फिर बीते साल दिसंबर में हमने तय किया कि ये फिल्म बनानी है। मार्च में इसकी शूटिंग पूरी की और अब फिल्म आपके सामने हैं। उस समय 'औरों में

'औरों में कहां दम था' की बात चल निकली है तो इसके परिणाम के बारे में क्या कहना चाहेंगे? कोई फिल्म सिनेमाघरों में पहले सप्ताहांत पर नहीं चलती है तो क्या फिर भी उम्मीद बनी रहती है कि हो सकता है दर्शक आ जाएं...?

फिल्म 'औरों में कहां दम था' सिनेमाघरों में नहीं चलेगी, ये मुझे इसकी रिलीज से पहले ही पता चल गया था। इसकी रिलीज डेट तीन बार हिली थी। फिल्म तो काफी पहले से तैयार थी, लेकिन हमें लोगों ने इसकी रिलीज डेट को लेकर भ्रमित कर दिया।

बतौर निर्देशक आपकी बात फिल्म की रिलीज डेट को लेकर नहीं सुनी जाती?

बतौर किसी फिल्म का निर्देशक किसी फिल्म की रिलीज की तारीख में मेरा बस इतना हक बनता है कि मैं इसके निर्माताओं को सावधान कर सकूं। उन्हें बता सकूं कि आप अपने पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार रहे हैं। उसके बाद ये किसी और का फैसला हो जाता है। उनका फैसला हो जाता है जिन्होंने इस फिल्म में पैसा लगाया है। जब भी कोई फिल्म अपनी तय रिलीज डेट से खिसकती है, तो ये बड़ा अपशकुन होता है। मेरे हिसाब से तो ये अंत की शुरूआत होती है।

और, अविनाश तिवारी को फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' में बतौर नायक लेने के पीछे...

ना, ना, ना, अविनाश तिवारी इस फिल्म के नायक नहीं है। ये एक कलाकारों का समूह है (ऑनसॉम्बल कास्ट) जिसने एक साथ काम किया है। फिल्म में कोई नायक या प्रतिनायक नहीं है।

आपकी किसी फिल्म में आपके अलावा किसी दूसरे लेखक को क्रेडिट मिलना भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं..

हां, मैंने विपुल (रावल) के साथ मिलकर ये फिल्म लिखी है। पटकथा और संवाद हमने मिलकर लिखे हैं, इस फिल्म के। विपुल ने इसके पहले हमारे लिए 'रुस्तम' लिखी थी, लेकिन उसे मैंने नहीं टीनू ने निर्देशित किया था। वह हमारे साथ काफी अरसे से काम कर रहे हैं और ये पहली बार है कि मैंने उनके साथ मिलकर कोई फिल्म लिखी है।

और, 'औरों में कहां दम था' की तरह ही 'सिकंदर का मुकद्दर' भी दो अलग अलग काल खंडों की कहानी है?

वहां 24 साल का अंतर है और वह रिश्तों की कहानी है। यहां 15 साल की कहानी है और ये डकैती की कहानी है। दोनों में कोई समानता नहीं है।

तो जैसे आपने अविनाश तिवारी के कंधे पर हाथ रखा और उन्हें ओटीटी में लॉन्च किया, वैसे ही कोई और सितारा है जिसे लॉन्च करने की तैयारी है? या किसी नए निर्देशक के साथ आपकी कंपनी कोई फिल्म बनने जा रही हो?

अविनाश पहले से काम करते आ रहे हैं। 'लैला मजनू' में उनकी लॉन्चिंग हुई। हां, ओटीटी सीरीज पर हम उन्हें लेकर आए। अगर मैं गलत नहीं हूं तो यही उनकी पहली वेब सीरीज थी। नए लोगों के साथ हम काम करते रहते हैं, हालांकि इससे हमारे कारोबारी भागीदार थोड़ा असहज भी होते हैं।

जेवर एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग और टेक ऑफ

ग्रेटर नोएडा/ जेवर एयरपोर्ट (चेतना मंच)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से फ्लाइट सेवा शुरू होने का इंतजार खत्म हो गया है। फायर टेंडर के सलामी के साथ जेवर एयरपोर्ट के रनवे पर हवाई जहाज की सेफ लैंडिंग और टेक ऑफ हुआ। यह दिन गौतमबुद्धनगर के लिए ऐतिहासिक दिन बन गया है।

जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से पहली उड़ान डीजीसीए की हरी झंडी मिलने के बाद इंडिगो कंपनी के विमान ने सफल लैंडिंग व टेक ऑफ और की है। इस हवाई अड्डे से यात्रियों को उड़ान भरने के लिए कुछ ही महीना का इंतजार करना पड़ेगा।

फायर टेंडर के सलामी के साथ साथ ही इंडिगो कंपनी के विमान ने टैक्सी वे से निकल रनवे पर पहुंचा, आसमान में उड़ान भरने के बाद सफल लैंडिंग की और रनवे पर विमान की लैंडिंग व टेक ऑफ के जरिये ट्रायल की प्रक्रिया पूरी की गई। नाइल के अफसरों के मुताबिक एयरपोर्ट पर ट्रायल की यह प्रक्रिया 15 दिसंबर तक चलेगी। इसके बाद एयरपोर्ट से कमर्शियल सेवा शुरू करने के लिए डीजीसीए में एरोड्रम के लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाएगा।

ज़ेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बीजेपी सरकार के महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर 2021 को किया था। निर्माण एजेंसी टाटा प्रोजेक्ट्स के चयन के बाद मई-जून 2022 में ही एयरपोर्ट का निर्माण वास्तव में तेजी के साथ धरातल पर शुरू हुआ। अप्रैल 2025 तक करीब तीन साल से कम समय में एयरपोर्ट से नियमित यात्री उड़ान के साथ सबसे तेजी से विकसित होने वाले एयरपोर्ट के रूप में इसका नाम दर्ज हो जाएगा।

इस अवसर पर अपने संबोधन में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सीईओ क्रिस्टोफ़ श्नेलमैन ने कहा कि पिछले 4 सालों में जो सबसे ज्यादा प्रश्न मुझे पूछा गया की पहली उड़ान कब होगी आज हम इस प्रश्न का जवाब दे रहे हैं. एग्रीमेंट साइन करने के 4 साल के अंदर, जमीन उपलब्ध कराने के 3 साल के अंदर और निर्माण के ढाई साल के अंदर हम पहले विमान की उड़ान कर रहे हैं हमें सभी का सहयोग मिला है इसके कारण यह काम हम कर सकते हैं इसके लिए हम सभी का धन्यवाद करते हैं।

रिकॉर्ड समय में बने इस एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद यूपी देश का पहला पांच अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला राज्य बन जायेगा। ज़ाहिर है इससे यात्रियों को तो फायदा होगा ही, यूपी की आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करेगा। इस सफल लैंडिंग के साथ ही एयरपोर्ट के इतिहास में ढाई दशक की कवायद के बाद एक और सफलता जुड़ गई। फिलहाल, इस बड़ी उपलब्धि से पहले रनवे को वाटर कैनन से सलामी दी गई। इंडिगो के ए 320 विमान ने रनवे पर सफल लैंडिंग के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के साथ गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डा. महेश शर्मा, जेवर विधानसभा क्षेत्र से विधायक धीरेन्द्र सिंह व प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एयरपोर्ट पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) को स्थापित किया जा चुका है। नोएडा एयरपोर्ट का पहला चरण 1334 हेक्टेयर में तैयार हो रहा है, इसकी यात्री क्षमता प्रति वर्ष 1.2 करोड़ होगी। लेकिन चार चरणों में इसका विस्तार किया जाएगा। 2050 तक एयरपोर्ट पूरी तरह संचालित होने पर हर साल सात करोड़ यात्रियों की आवाजाही क्षमता को पूरा करेगा।

जेवर एयरपोर्ट पर खास

- आईएलएस कैलिब्रेशन का कार्य 10 से 14 अक्तूबर तक हो चुका है।
- कैलिब्रेशन का सर्टिफिकेट भी यापल को प्राप्त हो चुका है।
- फ्लाइट ट्रालय का अप्रूवल डीजीसीए से प्राप्त हो चुका है।
- 9 दिसंबर को रनवे पर ट्रायल रन किया गया।
- एयरोड्रोम लाइसेंस के लिए आवेदन इसी माह में होगा।
- एआईपी पब्लिकेशन 6 फरवरी को होगा।
- छह फरवरी के बाद फ्लाइट के लिए टिकट बुकिंग सेवा शुरू हो जाएगी।
- 17 अप्रैल तक एयरपोर्ट से कामर्शियल फ्लाइट शुरू हो जाएगी।

कांग्रेसियों ने मनाया सोनिया गांधी का जन्मदिन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी सेक्टर-52 के कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीपीपी चेयरमैन श्रीमती सोनिया गांधी का जन्मदिन महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में केक काटकर बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि त्याग की प्रतिमूर्ति नारी शक्ति की सशक्त आवाज श्रीमती सोनिया गांधी हैं हम उनकी लंबी आयु की कामना करते हैं।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य यतेन्द्र शर्मा ने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी वंचित पिछड़ों व किसानों की आवाज है और कांग्रेस पार्टी उनके नेतृत्व में आगे बढ़ी है।

अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व हिमाचल प्रभारी लियाकत चौधरी ने भी अपने विचार रखे।

इस मौके पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश यादव, अल्पसंख्यक कांग्रेस के नेता लियाकत चौधरी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य यतेन्द्र शर्मा, नोएडा, महासचिव रामकुमार शर्मा, महासचिव विक्रम चौधरी, महासचिव दयाशंकर पांडये, पूर्व सदस्य सतेन्द्र शर्मा, सतीश पंचाल, अरुण शर्मा प्रधान, सैफी खान सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।

कलेक्ट्रेट सभागार में पेंशनर दिवस का आयोजन 17 को

नोएडा (चेतना मंच)। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने जनपद के पेंशनर्स को जानकारी देते हुए बताया कि 17 दिसंबर 2024 को सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में पेंशनर्स की समस्याओं का निस्तारण कराने के उद्देश्य से पेंशनर्स दिवस का आयोजन किया जाएगा। जनपद के पेंशनर्स आयोजित होने वाली पेंशनर्स दिवस में उपस्थित होकर अपनी समस्या का निस्तारण करा सकते हैं।

जिलाधिकारी ने समस्त कार्यालय अध्यक्षों एवं आहरण वितरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित तिथि एवं समय पर पेंशनर्स दिवस में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें, ताकि जनपद के पेंशनर्स की समस्याओं का निदान किया जा सके।

सफाईकर्मियों को शासन की हर सुविधा मिले : मकवाना

नोएडा (चेतना मंच)। पूर्व मंत्री उत्तराखण्ड सरकार, सदस्य केन्द्रीय निगरानी समिति सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार भगवत प्रसाद मकवाना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के लिए जनपद स्तर पर गठित समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में अपर जिला अधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सदस्य का स्वागत किया गया।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने सफाई कर्मचारियों की मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया गया। बैठक में सदस्य ने शिक्षा विभाग, जल निगम, परिवहन विभाग, जिला लीड बैंक, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एवं यमुना प्राधिकरण आदि विभागों की समीक्षा करते हुये कहा कि सम्बन्धित विभागों द्वारा सफाई कर्मचारियों के हितों को सुरक्षित बनाने के लिए विशेष प्रयास किये जायें। शासन की सभी योजनाओं का लाभ सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों द्वारा आपसी समन्यव स्थापित करते हुये कैंम्प के माध्यम से प्रत्येक पात्र सफाई कर्मचारी तक पहुंचाते हुये अपने-अपने दायित्व का शत् प्रतिशत निर्वहन पूर्ण निष्ठा से किया जाना चाहिये ताकि कोई भी सफाई कर्मचारी शासन की योजनाओं से वंचित न रहे।

सदस्य ने बैठक की अध्यक्षता करते हुये कहा की शासन की स्पष्ट मंशा है कि सफाई कर्मचारियों को मूलभूत सुविधाओं के साथ समाज में विशेष स्थान देते हुए उनका सम्मान किया जाये एवं सभी सफाई कर्मचारियों को शासन द्वारा अनुमोदित न्यूनतम वेतन मिलना ही चाहिए और इस वेतन में बढ़ोतरी करने के लिए शासन को पत्र भेजे जाये। सफाई कर्मचारियों के साथ किसी भी क्षेत्र में किसी भी प्रकार का शोषण नहीं होना चाहिए। उन्होने कहा कि सफाई कर्मचारियों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाये।

आयोजित बैठक में डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप सिंह परमेश, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार एवं सम्बन्धित अधिकारीगण व सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बरौला में अवैध ऊंची इमारतों के मालिकों को फाइनल नोटिस

हनुमान मंदिर के पास 12 इमारतें चिन्हित, दिया 15 दिन का समय

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने बरौला क्षेत्र में 12 ऊंची इमारतों के मालिकों को अंतिम नोटिस जारी कर उन्हें अवैध रूप से निर्मित निर्माण को ध्वस्त करने का निर्देश दिया है। नोटिस में मालिकों को अपना बचाव प्रस्तुत करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। यदि वे जवाब देने में विफल रहते हैं या यदि नोएडा प्राधिकरण उनके स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं होता है, तो ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

बरौला क्षेत्र में अवैध निर्माण का मुद्दा एक बढ़ती हुई चिंता का विषय रहा है, जिसमें कई प्रमुख शोरूम और ऊंची इमारतें सरकारी जमीन पर बनी हैं। नोएडा के 50 से अधिक गांवों में 50 से अधिक इमारतें अवैध रूप से बनाई गई हैं।

इस साल की शुरुआत में, नोएडा प्राधिकरण ने अवैध ऊंची इमारतों को ध्वस्त करने के लिए एक एजेंसी का चयन करने के लिए एक निविदा जारी की थी। मई में एक एजेंसी को निविदा दी गई, जिसे बरौला में हनुमान मंदिर के पास 12 ऊंची इमारतों को ध्वस्त करने का काम सौंपा गया।

(फाइल फोटो)

हालांकि, इमारतों के मालिकों द्वारा सूरजपुर कोर्ट में मामला दायर करने के बाद प्रक्रिया में देरी हुई, जिसने विध्वंस पर स्थगन आदेश जारी किया। न्यायालय ने नोएडा प्राधिकरण को ध्वस्तीकरण की कार्यवाही शुरू करने से पहले मालिकों का पक्ष सुनने का निर्देश दिया।

अब, नोएडा प्राधिकरण ने प्रक्रिया फिर से शुरू कर दी है और मालिकों को अंतिम नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें अगले 15 दिनों के भीतर अपने दावों का समर्थन करने वाले साक्ष्य प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया है। यदि मालिक अनुपालन करने में विफल रहते हैं या उनका बचाव अपर्याप्त पाया जाता है, तो ध्वस्तीकरण की कार्यवाही आगे बढ़ेगी। यह कदम अवैध निर्माणों के मुद्दे को संबोधित करने के लिए नोएडा प्राधिकरण के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com